E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक- 25 | प्रयागराज, मंगलवार 31 मार्च, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

ईरान के तेल पर कब्जा मेरी पसंदीदा चीज,खार्ग द्वीप भी ले सकता हूं,समझौता नहीं हुआ तो ईरान ही नहीं बचेगा-ट्रम्प

वॉशिंगटन डीसी। ट्रम्प ने कहा है कि वह ईरान का तेल अपने कंट्रोल में लेना चाहते हैं। रविवार को फाइनेंशियल टाइम्स को दिए इंटरव्यू में उन्होंने यह बयान दिया। ट्रम्प ने कहा, 'सच कहूं तो मेरी पसंदीदा चीज है ईरान का तेल लेना। इसपर कब्जे के लिए अमेरिका के पास कई विकल्प हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'अमेरिका में कुछ लोग कहते हैं आप ऐसा क्यों कर रहे हैं?' लेकिन वे बेवकूफ हैं।' उन्होंने खार्ग द्वीप का जिक्र करते हुए कहा, 'हो सकता है हम खार्ग द्वीप ले लें, हो सकता है नहीं।' ट्रम्प ने यह भी दावा किया कि इस द्वीप पर ईरान की रक्षा ज्यादा मजबूत नहीं है और अमेरिका इसे आसानी से अपने कब्जे में ले सकता है। दूसरी ओर ट्रम्प ने कहा है कि ईरान के साथ युद्ध खत्म करने के लिए जल्द समझौता हो सकता है। हालांकि उन्होंने चेतावनी दी कि अगर तेहरान ने अमेरिका का प्रस्ताव नहीं माना, तो उनके पास देश ही नहीं बचेगा। इजराइल की सेना ने बताया कि शहर हाइफा

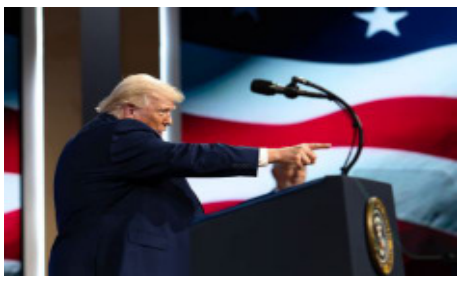

को निशाना बनाकर दागे गए 5 रॉकेट्स को हवा में ही रोक लिया गया। सभी रॉकेट इंटरसेप्ट कर दिए गए और किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं है। इसके अलावा, दक्षिण के महत्वपूर्ण शहर इलात के ऊपर दो ड्रोन भी मार गिराए गए।खाड़ी देशों में पिछले कुछ घंटों में हमलों की संख्या बढ़ गई है, जिससे क्षेत्र में तनाव और गहरा हो गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, दुबई में सायरन बजने की आवाजें सुनी गईं और हमलों को हवा में ही रोकते हुए वीडियो भी सामने आए हैं। बहरीन में भी कई बार अलर्ट जारी हुआ और लोगों ने कई धमाकों की आवाज सुनी। सऊदी अरब ने बताया कि उसके पूर्वी इलाके में 5 बैलिस्टिक मिसाइल और 1 क्रूज मिसाइल को हवा में ही मार गिराया गया। वहीं कुवैत के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उनके हवाई क्षेत्र में 14 मिसाइल और 12 ड्रोन देखे गए, जबकि इससे एक रात पहले 17 बैलिस्टिक मिसाइलों का पता चला था।ट्रम्प ने ईरान को लेकर सख्त बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अगर ईरान ने अपने परमाणु हथियारों की जिद नहीं छोड़ी, तो उसके पास देश ही नहीं बचेगा। एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रम्प ने कहा कि वह नहीं चाहते कि ईरान के पास परमाणु हथियार हों और उनका मानना है कि ईरान के नेता इन्हें छोड़ देंगे। ट्रम्प ने कहा, 'इस समय वे काफी कमजोर हो चुके हैं। वे परमाणु हथियार छोड़ देंगे, हमें अपना समृद्ध यूरेनियम देंगे और हमारी ज्यादातर शर्तें मानेंगे। इसके बाद वे फिर से एक अच्छा देश बन सकते हैं।' हालांकि उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा, 'अगर उन्होंने ऐसा नहीं किया, तो उनके पास देश नहीं बचेगा। उनके पास कुछ भी नहीं रहेगा।

1 अप्रैल से बदलेंगे नियम

नयी दिल्ली। 31 मार्च की रात 12 बजे के बाद देश में टैक्स और बैंकिंग से जुड़े 3 बड़े कामों की डेडलाइन खत्म हो रही है। 1. सरकारी स्कीम्स एक्टिव रखें- पीपीएफ,एनपीएस और सुकन्या में डालें मिनिमम बैलेंस-पब्लिक प्रॉविडेंट फंड, नेशनल पेंशन स्कीम या सुकन्या समृद्धि योजना को चालू रखने के लिए हर साल रु250 से रु500 तक न्यूनतम राशि जमा करना अनिवार्य है। अगर खाता बंद हो गया तो चालू कराने के लिए पेनाल्टी लगेगी और बैंक के चक्कर काटने होंगे। 2. पुरानी टैक्स रिजीम में सेविंग का मौका-80सी और 80डी के तहत निवेश करें-पुरानी टैक्स रिजीम में टैक्स बचाने के लिए निवेश करने का कल आखिरी दिन है। सेक्शन 80सी के तहत रु1.5 लाख तक की छूट पाने के लिए आप पीपीएफ, लाइफ इंश्योरेंस में निवेश कर सकते हैं। इसके अलावा, 80डी के तहत हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम और मेडिकल खर्चों पर 1 लाथ तक की छूट मिलती है। 1 अप्रैल या उसके बाद किया गया निवेश अगले साल के खाते में गिना जाएगा। 3. सैलरी क्लास के लिए जरूरीः ऑफिस में जमा करें इन्वेस्टमेंट प्रूफ-अगर आप नौकरीपेशा हैं, तो

आपको अपने ऑफिस में इन्वेस्टमेंट प्रूफ जमा करने होंगे। इसमें घर के किराए की रसीदें, बीमा प्रीमियम की रसीद, होम लोन के ब्याज का सर्टिफिकेट शामिल हैं। अगर आप ये डॉक्यूमेंट्स समय पर नहीं देते हैं, तो कंपनी आपकी आखिरी सैलरी से ज्यादा टीडीएस काट लेगी। इसे वापस पाने के लिए इनकम टैक्स रिटर्न भरने तक का इंतजार करना होगा। क्रेडिट कार्ड से जुड़े नियमों में भी बदलाव होने जा रहा है। देश में 11 करोड़ से अधिक एक्टिव क्रेडिट कार्ड यूजर हैं और हर महीने दो लाख करोड़ रुपये से अधिक का ट्रांजैक्शन होता है। इनकम टैक्स एक्ट, 2025 और ड्राफ्ट इनकम टैक्स रूल्स 2026 के तहत इनकम टैक्स विभाग आपके क्रेडिट कार्ड लेनदेन पर करीबी नजर रख सकता है। जानिए 1 अप्रैल से क्या-क्या बदल सकता है। एक अप्रैल से आपका क्रेडिट कार्ड केवल पेमेंट टूल नहीं रह जाएगा। यह आपके टैक्स प्रोफाइल से जुड़ा एक मजबूत फाइनेंशियल दस्तावेज बन जाएगा। अगर आपकी इनकम, खर्च और टैक्स फाइलिंग में कोई अंतर नहीं है तो आपको नए नियमों से बिल्कुल भी घबराने की जरूरत नहीं है। लेकिन अगर आपका खर्च ज्यादा है और रिपोर्टेड इनकम कम है तो आप टैक्स विभाग की नजर में आ सकते हैं।क्रेडिट कार्ड यूजर्स के लिए सबसे बड़ा बदलाव हाई वैल्यू ट्रांजैक्शन की रिपोर्टिंग को लेकर है। ड्राफ्ट नियमों के मुताबिक अगर किसी यूजर ने एक फाइनेंशियल ईयर में क्रेडिट कार्ड से रु10 लाख या उससे ज्यादा का भुगतान किया है तो आपका बैंक इसकी जानकारी इनकम टैक्स विभाग को दे सकता है। साथ ही तय लिमिट से ज्यादा विदेशी खर्च पर भी विभाग की नजर रहेगी। रु1 लाख या उससे ज्यादा कैश लेनदेन पर भी और ज्यादा नजर रहेगी।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

यूपी-राजस्थान समेत 20 राज्यों में बारिश का अलर्ट,दिल्ली में आंधी के साथ बारिश की संभावना

नयी दिल्ली। देश में बेमौसम बारिश का दौर जारी है। यूपी और राजस्थान समेत 20 राज्यों

में आज बारिश का अलर्ट है। राज्यस्थान के 25 जिलों में आंधी वेग साथ बारिश होने की संभावना है। वहीं, यूपी के 46 जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी का दौर जारी है। हिमाचल प्रदेश वेग वाले इलाकों में ताजा बर्फबारी हुई है। उत्तराखंड के नैनीताल में सोमवार सुबह बूंदाबांदी हुई। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में आज सुबह बारिश हुई। वहीं, गुलमर्ग, पहलगाम, यूसमर्ग, गुरेज, रजदान टॉप और सोनमर्ग-जोजिला जैसे ऊंचाई वाले इलाकों में रविवार को बर्फबारी हुई। पंजाब के सभी जिलों में बारिश का अलर्ट है। हरियाणा-पंजाब के कुछ हिस्सों में रविवार को भी बारिश हुई थी। दिल्ली में आंधी-बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है ।31 मार्च-मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, महाराष्ट्र, गुजरात, वेग्रल, तेलंगाना, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में हल्की बारिश की संभावना है। वेग्रल, तमिलनाडु और कर्नाटक में बिजली गिरने की आशंका है। 31 मार्च को बंगाल, सिक्किम और बिहार में आंधी आने की संभावना है। राज्य में बेमौसम बारिश जारी है। बुलंदशहर में देर रात तेज हवाओं के साथ झमाझम बारिश हुई। आज 46 जिलों में बारिश का अलर्ट है। गरज-चमक के साथ कुछ जगहों पर ओले पड़ने और बिजली गिरने की आशंका है। 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी। बेमौसम बारिश से फसलों को भारी नुकसान हुआ है। सरकार के मुताबिक, पिछले 15 दिनों में 15 हजार किसानों की 4300 हेक्टेयर फसलें खराब हुई हैं।

अफगानिस्तान-पाकिस्तान में फिर संघर्ष, 1 की मौत, 12 घायल

इस्लामाबाद। अफगानिस्तान की सरकार ने आरोप लगाया है कि पाकिस्तान की सेना ने रविवार को देश के कुनार प्रांत के असदाबाद शहर के बाहरी इलाकों पर गोलाबारी की,जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और 12 से ज्यादा लोग घायल हो गए। दोनों देशों के बीच फरवरी से टकराव बढ़ा हुआ है। इसे पिछले कई दशकों में अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच सबसे गंभीर टकराव माना जा रहा है। पाकिस्तान का आरोप है कि अफगानिस्तान अपनी जमीन पर आतंकवादियों को पनाह दे रहा है, जो पाकिस्तान के अंदर हमले करते हैं। खास तौर पर पाकिस्तान तालिबान (टीटीपी) का जिक्र किया जाता है। यह समूह अफगान तालिबान से अलग है, लेकिन दोनों के बीच करीबी संबंध माने जाते हैं। अफगान तालिबान ने 2021 में अमेरिका के नेतृत्व वाली सेना की वापसी के दौरान सत्ता संभाली थी। हालांकि काबुल इन आरोपों को लगातार खारिज करता रहा है। इस महीने की

शुरुआत में अफगानिस्तान ने दावा किया था कि पाकिस्तान के एक हवाई हमले में काबुल के एक नशा मुक्ति अस्पताल को निशाना बनाया गया, जिसमें 400 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। पाकिस्तान ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा है कि उसने किसी आम नागरिक को निशाना नहीं बनाया, बल्कि एक हथियारों के गोदाम पर हमला किया था।

पेट्रोल पंप पर केरोसिन भी मिलेगा, केंद्र का फैसला,हर जिले में 2 पंपों पर सुविधा होगी

तेल कंपनियां 5 हजार लीटर स्टॉक रख सकेंगी

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने रविवार को फैसला लिया है कि अब राशन की दुकानों के साथ-साथ पेट्रोल पंप पर भी केरोसिन मिल सकेगा। अब सरकारी तेल कंपनियां तय किए गए पेट्रोल पंपों से भी केरोसिन रख और बांट सकेंगी। हर जिले में राज्य सरकार या केंद्रशासित प्रदेश प्रशासन अधिकतम 2 पेट्रोल पंप चुनेंगे, जहां यह सुविधा दी जाएगी। इन पेट्रोल पंपों पर अधिकतम 5 हजार लीटर तक केरोसिन रखा जा सकेगा। सरकार ने सप्लाई आसान बनाने के लिए 60 दिनों के लिए सार्वजनिक वितरण प्रणाली के नियमों में ढील दी है, ताकि जरूरतमंद परिवारों तक तेल समय पर पहुंच सके। सरकार ने ये फैसला अमेरिका-इजराइल के ईरान संघर्ष के कारण लिया गया है। मिडिल ईस्ट में जारी जंग के कारण भारत में गैस, पेट्रोल-डीजल की कमी है। केंद्र सरकार लगातार मौजूदा हालात पर चिंता जता रही है। नियमों में क्या छूट दी गई- केरोसिन बांटने वाले एजेंट और डीलरों को लाइसेंस लेने से छूट दी गई है। टैंकरों से केरोसिन उतारने (सप्लाई) के नियम भी आसान किए गए हैं। पेट्रोल पंपों पर केरोसिन स्टोर और वितरण की अस्थायी अनुमति दी गई है। सरकार बोली- कच्चे तेल का पर्याप्त स्टॉक। सरकार वेग अनुसार सभी रिफाइनरियां उच्च क्षमता पर काम कर रही हैं और कच्चे तेल का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है। देशभर के सभी पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल-डीजल की उपलब्धता सामान्य बनी हुई है। घरेलू खपत को देखते हुए रिफाइनरियों में एलपीजी उत्पादन भी बढ़ाया गया है। कुछ राज्यों में अफवाहों के कारण पेट्रोल पंपों पर भीड़ और ज्यादा बिक्री देखने को मिली। सरकार ने स्पष्ट किया कि किसी भी तरह की कमी नहीं है और लोगों से अपील की गई है कि घबराकर खरीदारी न करें। एलपीजी और गैस सप्लाई की स्थिति- घरेलू एलपीजी की सप्लाई सामान्य है, किसी डिस्ट्रीब्यूटर पर कमी की सूचना नहीं.एक दिन में 55 लाख से ज्यादा सिलेंडर डिलीवर किए गए। ऑनलाइन बुकिंग बढ़कर 94फीसदी तक पहुंची। सीएनजी और पीएनजी उपभोक्ताओं को

100फीसदी सप्लाई दी जा रही है। केरोसिन और वैकल्पिक ईंधन पर जोर- सरकार ने राज्यों को अतिरिक्त 48000 किलो लीटर (4 करोड़ 80 लाख लीटर) केरोसिन आवंटित किया है। एलपीजी की मांग कम करने के लिए केरोसिन और कोयले जैसे वैकल्पिक ईंधनों के उपयोग को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।सरकार ने सिटी गैस कंपनियों को होटल, रेस्टोरेंट और कॉमर्शियल संस्थानों में पीएनजी कनेक्शन बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। औद्योगिक और कॉमर्शियल गैस उपभोक्ताओं को फिलहाल औसत खपत की 80इ गैस दी जा रही है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात के 132वें एपिसोड में अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग का जिक्र किया। पीएम ने कहा था कि दुनिया में जंग चल रही है। पेट्रोल-डीजल का संकट पैदा हुआ है, लेकिन भारत इस चुनौती से निपट रहा है। सरकार लोगों से अपील करती है कि किसी तरह की अफवाहों में न आएं। सरकार की तरफ से जानकारी पर भरोसा करें। कुछ लोग माहौल बिगाड़ने की कोशिश में लगे हैं। इससे वे देश का नुकसान कर रहे हैं।सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में 10-10 रुपए की कटौती की है। पेट्रोल पर ड्यूटी रु13 रुपए प्रति लीटर से घटाकर रु3 कर दी। वहीं, डीजल पर एक्साइज ड्यूटी रु10 से शून्य कर दी गई। सरकार ने एक्साइज ड्यूटी घटाकर पेट्रोल-डीजल के दामों को स्थिर रखा है। यूएस-इजराइल के साथ ईरान की जंग के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम 70 डॉलर से बढ़कर 110 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गए हैं। इससे तेल कंपनियों को 30 रुपए प्रति लीटर तक घाटा हो रहा था। घाटा कवर करने के लिए तेल कंपनियां दाम बढ़ा सकती थीं।

क्यूबा को रूस से तेल मिलने पर ट्रम्प बोले- मुझे कोई दिक्कत नहीं, लोगों का जिंदा रहना जरूरी

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने रविवार रात कहा कि उन्हें रूस से क्यूबा को तेल टैंकर मिलने पर कोई आपत्ति नहीं है। क्यूबा इस समय अमेरिकी तेल नाकेबंदी की वजह से गंभीर संकट से जूझ रहा है। ट्रम्प ने वाशिंगटन लौटते समय पत्रकारों से कहा कि अगर क्यूबा को जरूरत है, तो उसे तेल मिलने पर उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा कि वहां एक टैंकर मौजूद है और लोगों की बुनियादी जरूरतें पूरी होना जरूरी है, क्योंकि उनके लिए जिंदा रहना अहम है। जब उनसे न्यूयॉर्क टाइम्स की उस रिपोर्ट के बारे में सवाल किया गया, जिसमें कहा गया था कि टैंकर को क्यूबा पहुंचने की अनुमति दी जाएगी, तो ट्रम्प ने साफ कहा कि अगर कोई भी देश इस समय क्यूबा को तेल भेजना चाहता है, तो उन्हें इसमें कोई दिक्कत नहीं है, चाहे वह रूस ही क्यों न हो। ट्रैकिंग डेटा के अनुसार, यह तेल टैंकर करीब 7 लाख 30 हजार बैरल तेल लेकर क्यूबा के पूर्वी तट के पास पहुंच चुका था और मंगलवार तक मातांजास शहर पहुंचने की संभावना है। इस जहाज का नाम 'अनातोली कोलोडकिन' है, जिस पर यूक्रेन युद्ध के बाद अमेरिका, यूरोपीय संघ और ब्रिटेन ने प्रतिबंध लगाए हुए हैं। ट्रम्प प्रशासन ने हाल के वर्षों में क्यूबा के खिलाफ काफी सख्त रुख अपनाया है और तेल सप्लाई रोककर वहां की सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश की है।

इस नाकेबंदी का सबसे ज्यादा असर आम लोगों पर पड़ा है, जिनकी मदद की। क्यूबा में हालात इतने खराब हैं कि पूरे देश में बार-बार बिजली कटौती हो रही है। पेट्रोल और जरूरी सामान की कमी से अस्पतालों का काम प्रभावित हो रहा है और सार्वजनिक परिवहन भी ठप पड़ रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस टैंकर से मिलने वाला तेल करीब 1 लाख 80 हजार बैरल डीजल तैयार कर सकता है, जो क्यूबा की करीब 9 से 10 दिनों की जरूरत पूरी करने के लिए काफी होगा।

नेपाल सरकार ने छात्र राजनीति पर रोक लगाई,5वीं क्लास तक एग्जाम भी खत्म

स्कूलों और कॉलेजों को अपने विदेशी नाम बदलने होंगे

काठमांडू। नेपाल में प्रधानमंत्री बालेन शाह की सरकार ने छात्र राजनीति पर पूरी तरह रोक लगा दी है। इसके साथ ही कक्षा 5 तक के बच्चों के लिए पारंपरिक परीक्षाएं भी खत्म कर दी गई हैं और स्कूलों-कॉलेजों को अपने विदेशी नाम बदलकर नेपाली में रखने का आदेश दिया गया है। सरकार ने शनिवार रात को जारी आदेश में कहा कि यह सभी फैसले अपने 100 दिन के एक्शन प्लान के तहत लिए हैं, जिसका मकसद शिक्षा को राजनीति से दूर रखना और इसे बेहतर बनाना है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अब स्कूल और कॉलेजों में किसी भी तरह की राजनीतिक गतिविधि नहीं होगी। सभी राजनीतिक पार्टियों से जुड़े छात्र संगठनों को 60 दिनों के अंदर अपने दफ्तर कॉलेज कैंपस से हटाने होंगे। इनकी जगह सरकार 90 दिनों के भीतर 'स्टूडेंट काउंसिल' या 'वॉयस ऑफ स्टूडेंट्स' जैसे नए प्लेटफॉर्म शुरू करेगी, जो पूरी तरह गैर-राजनीतिक होंगे और सिर्फ छात्रों की समस्याओं पर काम करेंगे। ग्रेजुएशन तक पढ़ाई के लिए नेपाली नागरिकता जरूरी नहीं - सरकार ने साफ कहा है कि अब स्कूल और कॉलेज राजनीति के अड्डे नहीं होंगे, बल्कि सिर्फ पढ़ाई के लिए काम करेंगे। लंबे समय से शिक्षा संस्थानों में चल रही राजनीतिक दखल को खत्म करने के लिए यह कदम उठाया गया है। छात्रों के लिए कुछ और अहम बदलाव भी किए गए हैं। अब ग्रेजुएशन तक पढ़ाई के लिए नेपाली नागरिकता जरूरी नहीं होगी, ताकि दस्तावेजों की कमी के कारण किसी की पढ़ाई न रुके। सरकार ने यह भी निर्देश दिया है कि जिन स्कूलों और कॉलेजों के नाम विदेशी हैं, जैसे ऑक्सफोर्ड, पेंटागन या सेंट जेवियर्स, उन्हें इस साल के भीतर अपने नाम बदलने होंगे।परीक्षा के रिजल्ट तय समय पर जारी करने वेग आदेश-इसवेग अलावा, यूनिवर्सिटीज को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि वे परीक्षा के रिजल्ट तय समय के भीतर ही जारी करें। सरकार का कहना है कि अब तक रिजल्ट में देरी की वजह से छात्रों का भविष्य प्रभावित होता रहा है और कई बार उन्हें पढ़ाई छोड़कर विदेश जाना पड़ता है। सरकार का मानना है कि शिक्षा व्यवस्था में देरी और गड़बड़ी की बड़ी वजह राजनीतिक दखल रही है। नए नियमों के जरिए अब पढ़ाई का शेड्यूल तय समय पर लागू किया जाएगा। नेताओं-अफसरों की संपत्ति की जांच की जाएगी- नेपाल सरकार के प्लान के मुताबिक बड़े नेताओं और अफसरों की संपत्ति की जांच की जाएगी। इसके लिए 15 दिनों के अंदर एक कमेटी बनाई जाएगी, जो 2006 के बाद बड़े पद पर रहे लोगों की संपत्ति की जांच करेगी।**आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..**

बंजारा में हर्षोल्लास के साथ मनाई गयी सम्राट अशोक की जयंती

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) गौरीगंज, अमेठी। रविवार को बंजारा

अशोक नगर मजरे गढ़ामाफी में सम्राट अशोक महान की जयंती हर्षोल्लास पूर्वक मनाई गयी। कार्यक्रम में मौर्य समाज की भारी भीड़ उमड़ी। काफी लम्बा चौड़ा पंडाल खचाखच भरा था। अखिल भारतीय मौर्य महासंघ अमेठी के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि राज्य महिला आयोग की सदस्य प्रतिभा कुशवाहा रहीं। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि अपने मौर्य समाज का इतिहास काफी गौरवशाली रहा है। हमारे बुद्ध के कारण भारत को विश्व गुरु और लाइट आफ एशिया कहा जाता है उन्होंने सम्राट अशोक महान का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने देश की दशा और दिशा बदल दी थी। अशोक की लाट हमारी गौरव गाथा कह रही है। यह भारत का राज चिन्ह है। बुद्ध ने कहा था कि अपना दीपक स्वयं बनो। उन्होंने शेर के दस कदम पीछे हटने से सौ कदम आगे बढ़ने की ताकत आ जाती है। मौर्य काल को सोने की चिड़िया कहा जाता था। अगर आप सब लोग एकजुट हो जायें तो सोने का सिंह बना सकते हैं भारत को। हमें अपने बच्चों को अपनी बौद्ध संस्कृति की पहचान करानी चाहिए। अशोक महान के शौर्य को मत भूलना। सावित्रीबाई फुले और डाक्टर अम्बेडकर के संघर्ष से भी हमें प्रेरणा लेनी चाहिए। मंच के माध्यम से उन्होंने सरकार से चंद्रगुप्त मौर्य और सम्राट अशोक की जयंती पर अवकाश घोषित करने की मांग भी की। इस अवसर पर अखिल भारतीय मौर्य महासंघ अमेठी के जिला अध्यक्ष हौसिला प्रसाद मौर्य, अरुण कुमार मौर्य जिला महामंत्री बाबूलाल मौर्य, संदीप मौर्य सोहनलाल मौर्य मंशाराम मौर्य, अरुण कुमार प्रजापति, रूदल मौर्य, महेन्द्र कुमार, मोनू यादव, आर जे मौर्य, आकाश, अंशिका मौर्य, के पी सविता बौद्ध पूर्व प्रधानाध्यापक एवं रचयिता बुद्ध चरित मानस प्रबंध गौरीगंज आदि भारी भीड़ रही। डॉ आर पी मौर्य ने उस समय चाणक्य की उपस्थिति पर उंगली उठाई।कार्यक्रम की शुरूआत बुद्ध मूर्ति पर फूल अर्पित कर तथा त्रिशरण पंचशील पाठ के बाद भारतीय संविधान की प्रस्तावना पढ़ाई गयी।

अप्रैल माह की ग्राम चौपाल के लिए अधिकारी नामित

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मुख्य विकास अधिकारी अंजूलता ने माह अप्रैल 2026 के प्रत्येक शुक्रवार को समस्त विकास खंडों की ग्राम पंचायतों में आयोजित होने वाली "ग्राम चौपाल" (गाँव की समस्याए गाँव में समाधान) के लिए विकास खण्डवार रोस्टर निर्धारित किया है। निर्धारित रोस्टर के अनुसार परियोजना निदेशक, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण, जिला विकास अधिकारी, उपायुक्त, श्रम रोजगार एवं उपायुक्त, स्वतः रोजगार द्वारा ग्राम पंचायतों में आयोजित होने वाले ग्राम चौपाल में से किसी एक विकासखंड की ग्राम चौपाल में प्रतिभाग कर जनसमस्याओं का निस्तारण किया जायेगा।निर्धारित रोस्टर के अनुसार 03 अप्रैल को परियोजना निदेशक, जि0ग्रा0वि0अभि0 विकास खण्ड अमावां में, जिला विकास अधिकारी विकास खण्ड बछरावां में, उपायुक्त, श्रम रोजगार विकास खण्ड हरचन्दपुर में एवं विकास खण्ड दीनशाहगौरा में उपायुक्त, स्वतः रोजगार की अध्यक्षता में किसी एक विकास खण्ड के ग्राम चौपाल में प्रतिभाग कर जनसमस्याओं का निस्तारण किया जायेगा। इसी प्रकार 10 अप्रैल को परियोजना निदेशक, जि0ग्रा0वि0अभि0 लालगंज में, जिला विकास अधिकारी सलोन में, उपायुक्त, श्रम रोजगार सरेनी में एवं उपायुक्त, स्वतः रोजगार शिवगढ़ में। 17 अप्रैल को परियोजना निदेशक, जि0ग्रा0वि0अभि0 राही में, जिला विकास अधिकारी डलमऊ में, उपायुक्त, श्रम रोजगार रोहनियां एवं उपायुक्त, स्वतः रोजगार सतांव में। 24 अप्रैल को परियोजना निदेशक जि0ग्रा0वि0अभि0 छतोह, जिला विकास अधिकारी लालगंज, उपायुक्त, श्रम रोजगार महराजगंज एवं उपायुक्त, स्वतः रोजगार विकास खण्ड डीह के किसी एक ग्राम चौपाल में प्रतिभाग कर जनसमस्याओं का निस्तारण करायेंगे।

भाजपा की मीटिंग में पहुंचे सभी पांचों नगरपालिका परिषद के नामित सभासद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) गौरीगंज, अमेठी। रविवार को भाजपा कार्यालय में आहूत मीटिंग में नगरपालिका

परिषद गौरीगंज के मनोनीत सभासदों का स्वागत हुआ। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि शंकर गिरी जिला प्रभारी, जिलाध्यक्ष सुधांशु शुक्ला, पूर्व जिलाध्यक्ष राम प्रसाद मिश्र, पूर्व जिलाध्यक्ष उमाशंकर पांडेय, व दयाशंकर यादव के अतिरिक्त हाल ही में शासन द्वारा पांचों मनोनीत नगरपालिका परिषद के सदस्य अंकुर सिंह, रामजस लोधी, अविनाश चंद्र पांडेय, विष्णु अग्रहरि, और दीपक शर्मा पुत्र रामचंद्र शर्मा वार्ड बीस बलीपुर खुर्दवां, सहित दर्जनों भाजपाई मौजूद रहे। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम का संचालन भवानी दत्त दीक्षित ने किया। सभी लोगों ने इन सभी मनोनीत सभासदों के मनोनयन पर खुशी का इजहार किया।

उद्यान मंत्री ने 29 आंगनबाड़ी केन्द्रों का किया लोकार्पण,आंगनबाड़ी केंद्रों का सुदृढ़ीकरण सरकार की प्राथमिकता में है शामिल-उद्यानमंत्री

नए आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण से स्थानीय स्तर पर बच्चों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं होंगी उपलब्ध - दिनेश प्रताप सिंह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं सेविकाओं को

स्मार्टफोन एवं नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम लोकभवन लखनऊ में आयोजित किया गया, जिसमें मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा प्रदेश की 69,804 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों/मुख्य सेविकाओं को स्मार्टफोन का वितरण, आंगनबाड़ी कार्यत्रियों को 2 लाख ग्रोथ मॉनिटरिंग डिवाइस का वितरण, 18,440 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों/सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र, रु0 450 करोड की लागत से 3,170 आंगनबाड़ी केन्द्र भवनों एवं 140 बाल विकास परियोजना कार्यालय भवनों का लोकार्पण/शिलान्यास किया गया। जिसमें जनपद रायबरेली की नवनियुक्ति 08 आगनबाड़ी कार्यत्रियों को नियुक्ति पत्र का

वितरण, 207 आंगनबाड़ी केन्द्रों का वर्चुअल लोकार्पण किया गया। इसी क्रम में जनपद रायबरेली में विधानसभा स्तर पर उक्त कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विधानसभा हरचन्दपुर के विकास खण्ड सतांव में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मा0 राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार तथा कृषि निर्यात उ0प्र0 दिनेश प्रताप सिंह ने दीप प्रज्ज्वलन कर

कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। कार्यक्रम में मा0 मुख्यमंत्री जी के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा गया व उनके उद्बोधन को जनपद स्तरीय अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्री व मुख्य सेविकाओं आदि द्वारा सुना गया। मा0 उद्यानमंत्री ने आयोजित कार्यक्रम में विधानसभा हरचन्दपुर के 29 आंगनबाड़ी केन्द्रों का लोकार्पण किया, जिसमें विकास खण्ड खीरों के 15 केन्द्र, सतांव के 12 केन्द्र एवं हरचन्दपुर के 02 केन्द्र शामिल है। इसके पश्चात मा0 उद्यानमंत्री जी द्वारा 05 पांच गर्भवती माताओं की गोदभराई एवं 05 बच्चों को अन्नप्राशन कराकर सभी को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए बाल विकास विभाग के अन्तर्गत आंगनबाड़ी द्वारा किये जा रहे कार्यो की प्रशंसा की व आंगनबाड़ी के समाज में योगदान को सराहा। इस अवसर पर मा0 उद्यान मंत्री ने अपने उद्बोधन में कहा कि आंगनबाड़ी केंद्रों का सुदृढ़ीकरण सरकार की प्राथमिकता में शामिल है, जिससे बच्चों एवं महिलाओं के पोषण, स्वास्थ्य एवं प्रारंभिक शिक्षा को बेहतर बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि नए आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण से स्थानीय स्तर पर बच्चों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध होंगी तथा गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को भी लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग तक लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। मंच का संचालन एस0एस0 पाण्डेय द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अंजू लता, उपायुक्त (श्रम रोजगार) प्रमोद कुमार, जिला कार्यक्रम अधिकारी सुरेन्द्र कुमार, क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण एवं स्थानीय नागरिक सहित आगनबाड़ी कार्यकत्री व मुख्य सेविकाएं उपस्थित रही।

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICE

ADDRESS- Naini,Prayagraj U.P-211008. PAN No. ABJPA1540R,Reg.No.03-0068604

Regd. Under Additional Director General of Police U.P. vide Reg. No. 2453
+91-7985619757,+91-7007472337

We Are Providing Security & Manpower Services in School/ University/Institute/ Hospital/Office Premises

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES:-
takes great pleasure in Providing Security arrangement and Office Staff for your Organization premises. We have with us talented and well trained Disciplined persons, each having exposure to industrial/commercial security and intelligence knowledge in their field. Our personnel's are physically fit, courageous disciplined and well trained in their field. They are bold but polite, peace loving but not coward, friendly but shrews while duty, sharp in act but very claim and affable where presence of mind is lost by the common man, ailing but smelling the red hounds, work in the common climate but vigilant and faithfully to the organization. It is on account of the above trait that our services are engaged by reputed organization which consists of Schools, University, Banks, Government, industrial Concern, Hotels, Hospitals, Educational Institutes, Housing Societies/Bungalows, Semi Government and Government Organization.

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES is registered by:-
Additional Director General of Police, (Law & Order), Deputy Labour Commissioner, Employees Provident Fund Organization, Employees State Insurance Corporation, Goods & Services Tax, MSME Registration..(Govt. of

FOR JOB CONTACT:- 9569430885

INDIAN SECURITY AND MANPOWER SERVICES Manpower Category:-
Assignment Manager, Housekeeping Manager, Assignment Supervisor, Housekeeping Supervisor, Accountant, Driver, Computer Operator, Electrician, Data Entry operator, Carpenter, Clerk, Office Boy, M.T.S, Sweeper, Peon, Gardner, Computer Teacher, Agriculture Labour, TGT & PGT Teacher, Quality/Technical Manpower as per your requirement

लखनऊ चलो' का बिगुल - सोनार समागम में गूंजेगा स्वर्णकार समाज का इतिहास, एकता और राजनीतिक भागीदारी का संकल्प

लखनऊ में गूंजेगा स्वर्णकार समाज का शक्ति प्रदर्शन,राजनीति में हिस्सेदारी को लेकर बड़ा एलान

आधुनिक समाचार नेटवर्क)रायबरेली। शहर के

स्थानीय सूर्या होटल में आयोजित स्वर्णकार समाज की बैठक ने साफ कर दिया है कि अब स्वर्णकार समाज केवल दर्शक नहीं, बल्कि निर्णायक भूमिका में नजर आने वाला है। कार्यक्रम के आयोजक सेवारत स्वर्णकार संरथान के संरक्षक भौमेश कुमार ने कहा कि 'लखनऊ चलो' अभियान के तहत 11 अप्रैल 2026 को होने वाला सोनार समागम अब एक साधारण आयोजन नहीं, बल्कि समाज की ताकत, एकता और राजनीतिक चेतना का विराट प्रदर्शन बनने जा रहा है। बैठक में समाज के शीर्ष नेतृत्व और प्रांतीय पदाधिकारियों की मौजूदगी ने साफ संदेश दिया कि अब अधिकार लेकर रहेंगे, हिस्सेदारी लेकर रहेंगे। समाज के इतिहास, उसकी विश्वसनीयता और वर्तमान चुनौतियों पर गहन मंथन हुआ, जिसमें एक स्वर में यह बात उभरकर सामने आई कि स्वर्णकार समाज को अब राजनीतिक भागीदारी में पीछे नहीं रहना चाहिए। कार्यक्रम में वक्ताओं ने खुलकर अपनी बात रखी और भविष्य की रणनीति का संकेत दिया। लखनऊ महानगर सर्राफा एसोसिएशन के अध्यक्ष मनीष कुमार वर्मा ने दो टूक कहा कि हमारा समाज वर्षों से अपनी मेहनत और ईमानदारी के बल पर पहचान बनाता आया है, लेकिन अब समय आ गया है कि हम सत्ता में भी अपनी मजबूत भागीदारी सुनिश्चित करें। अब चुप बैठने का समय खत्म हो चुका है।' कार्यक्रम में पधारे प्रान्तीय नेतृत्व के पदाधिकारियों को अंगवस्त्र, मार्ल्यापण कर स्वागत किया गया। समाजसेवी कमलेश रस्तोगी ने जोशीले अंदाज में कहा, 'स्वर्णकार समाज की पहचान उसकी विश्वसनीयता है, लेकिन अब इस विश्वसनीयता को शक्ति में बदलने का वक्त है।

परमशक्ति धाम श्रीराम जानकी हनुमान मंदिर में भव्य व दिव्य प्राण प्रतिष्ठा समारोह सम्पन्न

5 दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा व विशाल भंडारा,परम पावन महापर्व श्रीराम नवमी के दिन प्रभु का प्राकट्योत्सव, भारत वर्ष के सभी राज्यों से जुटा श्रीराम भक्तों का तांता

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) परमशक्ति धाम, अयोध्या विकास क्षेत्र। जय श्रीराम के गगनभेदी उद्घोष के बीच परमशक्ति धाम श्रीराम जानकी हनुमान मंदिर में 5 दिवसीय भव्य, दिव्य, नव्य प्राण प्रतिष्ठा समारोह परम पावन महापर्व श्रीराम नवमी, शुक्रवार, 27 मार्च 2026 को सम्पन्न हुआ जिसमें भारत वर्ष के सभी राज्यों से श्रीराम भक्तों का तांता लगा रहा। उपरोक्त की जानकारी देते हुए परमशक्ति धाम चैरिटेबल ट्रस्ट की मुख्य ट्रस्टी व अध्यक्षा दिव्या पाण्डेय ने बताया कि 5 दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम 23 मार्च 2026 से 27 मार्च 2026 तक आयोजित व संचालित हुआ जिसमें विभिन्न दिवस में अलग-अलग आध्यात्मिक अनुष्ठान के साथ परम पावन महापर्व श्रीराम नवमी, शुक्रवार, 27 मार्च 2026 को प्रभु श्रीराम जी,

माता जानकी जी, लक्ष्मण जी, हनुमान जी का प्राण प्रतिष्ठा व विशाल भंडारा सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर आचार्य प. संजीव शुक्ल, प. सतीश तिवारी, वरिष्ठ समाजसेविका श्रीमती इंदुमती देवी पाण्डेय, आर के पाण्डेय एडवोकेट, प. प्रमोद लक्ष्मीकांतराव झाल्टे, प. दिनेश मिश्र, अतुल कुमार सिंह, दलबीर सिंह, मानसी झाल्टे, दिव्या पाण्डेय, जूली सिंह, निधि पाण्डेय, संजय श्रीवास्तव, बृजेश कुमार पाण्डेय, स्नेहा पटेल, धैर्य पटेल, विकास तिवारी, संगीता छंगानी, राजेश्वरी, यातायात निरीक्षक पवन पाण्डेय, नीतेश शुक्ल, संजीव कुमार, प. वीरभद्र त्रिपाठी, विकास कुमार तिवारी, कमला प्रसाद मिश्र, दीपा मिश्रा, प्रियंका दूबे, शिवम मिश्र, रिंकू पाण्डेय, श्रेया दूबे, अथर्व दूबे, वेदांश पाण्डेय, संगीता त्रिपाठी, महिमा पाण्डेय, बालकृष्ण शुक्ल, दीपक चंद्र पाण्डेय, प. कृष्ण कुमार तिवारी, मनोज कुमार दीक्षित, श्रीकांत वर्मा, धनंजय मनार, मनोज कुमार वर्मा सहित हजारों श्रीराम भक्त उपस्थित रहकर भगवत्कृपा प्राप्त की।

अवैध शराब के जखीरे के साथ शराब तस्कर गिरफ्तार धारा 34(2) आवकारी एक्ट के तहत की गई कार्यवाही

रीवा। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में मैहर पुलिस द्वारा अवैध नशे को रोकने के लिए

लगातार नशे के अपराध में लिप्त अपराधियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस महानिरीक्षक रीवा जोन रीवा श्री गौरव राजपूत, पुलिस अधीक्षक मैहर श्री अवधेश प्रताप सिंह के कुशल निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डां. चंचल नागर व नगर पुलिस अधीक्षक महेन्द्र सिंह चौहान के मार्गदर्शन में कोतवाली इंचार्ज थाना प्रभारी उनि वंदना गर्ग एवं उनकी टीम ने पकड़ी भारी मात्रा में भण्डारण की गई अवैध शराब विवरण- दिनांक 29.03.2026 को जरिये मुखबिर के पुलिस को सूचना मिली कि चंडीगंज कटरा मोहल्ले का रिंकू वर्मन अपने घर के अंदर अवैध शराब का जखीरा बिक्री की नीयत से भंडारण किया है जिसकी सूचना पर मैहर कोतवाली पुलिस स्टाफ द्वारा मौके पर पहुंचकर मुखबिर सूचना की तस्दीक करते हुये रेड कार्यवाही की गई तो रिंकू वर्मन के घर के अंदर वाले कमरे से कागज के 35 कार्टूनों मे 1010 पाव, 165 बोतल, 48 हाफ क्वार्टर मैकडावल, 8पीएम, गोवा, बैगपाइपर, आफीसर च्वाइस, मैजिक मूमेंट, वोडका एवं रम अलग अलग ब्रांड की देशी अंग्रेजी शराब कुल शराब 323 वल्क लीटर एवं 12 कार्टून मे 188 बोतल किंगफिसर, बटवाइजर, अल्ट्रा, लेमाउंट कंपनी की कुल 148 लीटर वियर जप्त कर आरोपी को धारा 34(2) आवकारी एक्ट के तहत गिरफ्तार किया जाकर प्रकरण कायम किया गया है । आरोपी के पास से प्राप्त अवैध शराब की प्राप्ति स्त्रोतों के संबंध मे विस्तृत जांच की जा रही है। नाम पता आरोपीः- रिंकू वर्मन पिता गोविन्द प्रसाद वर्मन उम्र 34 वर्ष निवासी चंडीगंज कटरा मोहल्ला थाना मैहर जिला मैहर जप्त अवैध शराबः- 35 कागज के कार्टून मे कुल 323 वल्क लीटर मैकडावल, 8PM, गोवा, बैगपाइपर, आफीसर च्वाइस, मैजिक मूमेंट, वोडका एवं रम अलग अलग ब्रांड की देशी अंग्रेजी शराब एवं 12 कार्टून मे किंगफिसर, बटवाइजर, अल्ट्रा, लेमाउंट कंपनी की कुल 148 लीटर वियर कुल कीमती करीबन 04 लाख 50 हजार रुपये। पूर्व से तस्करी मे लिप्त है आरोपीः- इसके पूर्व भी आरोपी रिंकू वर्मन के विरुद्ध करीबन दर्जन भर अवैध शराब, अवैध जुंआ एवं रंगदारी वसूलने के प्रकरण पंजीबद्ध है। सराहनीय भूमिकाः- इंचार्ज थाना प्रभारी उनि वंदना गर्ग, उनि बी पी वर्मा, प्रआर. रवीन्द्र दोहरे, उपेन्द्र तिवारी, विनोद सिंह, जय बागरी, अरविन्द सेन, आर. रंजन कुमार, पवन कुमार, सतीष राय, सोमेश सिंह की रही है।

मैहर जिले में झोलाछाप डॉक्टरों का बढ़ता जाल, लोगों की जान से खिलवाड़

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मैहर। जिले के भदनपुर क्षेत्र में झोलाछाप डॉक्टर दूसरों के नाम की नेम प्लेट लगाकर मरीजों का इलाज

झोलाछाप डॉक्टरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। पहले जहां ये अवैध क्लीनिक सिर्फ बाजारों और मुख्य सड़कों तक सीमित थे, वहीं अब गली-मोहल्लों तक इनका जाल फैल चुका है। बिना डिग्री, बिना प्रशिक्षण और बिना लाइसेंस के ये तथाकथित 'डॉक्टर' इलाज के नाम पर सीधे लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि जब से पीयूष पांडे ने बीएमओ का पद संभाला है, तब से अब तक किसी भी प्रकार की ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। शिकायतें होने के बावजूद मामलों को दबा दिया जाता है। भदनपुर में कई स्थानों पर ऐसे अवैध क्लीनिक खुलेआम संचालित हो रहे हैं। कुछ कर रहे हैं, तो कई बिना किसी पहचान के ही अपनी दुकान चला रहे हैं। इन क्लीनिकों में न तो आवश्यक चिकित्सा उपकरण हैं और न ही कोई मान्यता प्राप्त व्यवस्था। सबसे चिंताजनक बात यह है कि गलत इलाज, ओवरडोज़ या गलत इंजेक्शन के कारण कई बार मरीजों की जान तक चली जाती है। ऐसे मामलों में परिजनों को डराकर या दबाव बनाकर मामला रफा-दफा कर दिया जाता है। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए अब सामाजिक संगठन भी सक्रिय हो गए हैं। बताया जा रहा है कि ये संगठन झोलाछाप डॉक्टरों की सूची तैयार कर प्रशासन को सौंपने की तैयारी में हैं, ताकि जल्द से जल्द सख्त कार्रवाई हो सके।

विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी के अथक प्रयासों से मैहर को मिली एक और उपलब्धि जिले में शुरू हुआ केंद्रीय विद्यालय

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)मैहर। लगातार मैहर क्षेत्र

के लिए विकास कार्यों को लेकर महत्वपूर्ण कदम उठाने वाले मैहर विधायक के द्वारा एक और उपलब्धि जिले वासियों के लिए देखने को मिली है आप को बता दे विधायक के अथक प्रयासों से मैहर में केंद्रीय विद्यालय की शुरुआत की गई है जहां फिलहाल कक्षा 1 से 5 तक के विद्यार्थियों के लिए विद्यालय संचालित किया जाएगा जिसमें क्षेत्र में रहने वाले हर वर्ग के बच्चों के लिए महत्वपूर्ण शैक्षणिक सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी वही कक्षा एक में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन मुख्य रूप से अनिवार्य किया गया है लेकिन दूसरी से पांचवी तक के लिए आवेदन ऑफलाइन के माध्यम से स्वीकार किए जाएंगे वहीं हर वर्ग के लिए प्रवेश फॉर्म पूरी तरह से निशुल्क रहेंगे जहां अभिभावक सारी चीजों को लेकर सीधे विद्यालय पर संपर्क कर सकते हैं हालांकि फिलहाल इस विद्यालय को देवी जी धाम यात्री निवास क्रमांक 3 वृद्धा आश्रम के सामने संचालित किया गया है लोगों का मानना है कि यह केंद्रीय विद्यालय हर गरीब मध्यम वर्ग के बच्चों को अच्छी शिक्षा देने एवं उनके भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जाएगा।

ग्रेटर नोएडा में 'राष्ट्र निष्ठा चौपाल' का शुभारंभ, सामाजिक सरोकारों पर मंथन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा ग्रेटर नोएडा राष्ट्र जागरण, सामाजिक समरसता और

जनचेतना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'राष्ट्र निष्ठा चौपाल' का भव्य शुभारंभ रविवार को ग्रेटर नोएडा स्थित एक होटल में किया गया। इस मौके पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में देश और समाज से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। कार्यक्रम में श्रीमद् जगद्गुरु स्वामी वेद पुत्र जी महाराज (भैरव पीठाधीश्वर) ने अपने संबोधन में आध्यात्मिक मूल्यों के साथ सामाजिक जिम्मेदारियों के निर्वहन पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि समाज में सकारात्मक बदलाव के लिए सभी एंड क्राइम कंट्रोल काउंसिल (IHRCCC) के इंटरनेशनल चेयरमैन जयशंकर राय, राजू मेहरा और वरिष्ठ अधिवक्ता आर. वी. मेहता भी मौजूद रहे। वक्ताओं ने राष्ट्र निर्माण, सामाजिक समरसता और जनजागरूकता को समय की आवश्यकता बताया। प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया गया कि 'राष्ट्र निष्ठा चौपाल' एक ऐसा मंच होगा, जो युवाओं, महिलाओं, बुद्धिजीवियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को जोड़कर राष्ट्र के प्रति निष्ठा, मानवाधिकार जागरूकता और सकारात्मक वर्गों की भागीदारी जरूरी है। इस अवसर पर फिल्म अभिनेत्री पूनम ढिल्लों, इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स जनभागीदारी को बढ़ावा देगा। इस पहल के माध्यम से देशभर में संवाद और सहयोग का नेटवर्क तैयार करने की योजना है, जिससे विभिन्न सामाजिक चुनौतियों का समाधान सामूहिक प्रयासों से किया जा सके। इस दौरान IHRCCC के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जयशंकर राय कहा कि 'राष्ट्र निष्ठा चौपाल केवल एक पहल नहीं, बल्कि एक जनआंदोलन है, जो नागरिकों में जिम्मेदारी और एकता की भावना को मजबूत करेगा।'कार्यक्रम में आमंत्रित अतिथियों, मीडिया प्रतिनिधियों और संगठन के सदस्यों ने भाग लिया। मीडिया ने इस पहल को व्यापक स्तर पर प्रसारित करने में अहम भूमिका निभाई।

ऑल इण्डिया एम सी ई ए, बिहार प्रदेश का राज्य अधिवेशन पारम्परिक हर्षोल्लास के साथ संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज/राजगीर। ऑल इंडिया महापद्मनंद कम्युनिटी एजूकेटेड एसोसिएशन, बिहार प्रदेश के तत्वावधान में प्रथम राज्य

अधिवेशन विगत दिवस विश्व प्रसिद्ध प्राचीन शिक्षा केंद्र नालंदा जिला अंतर्गत ऐतिहासिक राजगीर की धरती पर राजगीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर , राजगीर के सभागार में संपन्न हुआ । कार्यक्रम की अध्यक्षता सुप्रसिद्ध विद्वान डा0 कृष्ण मुरारी ठाकुर ने किया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राम शील शर्मा एडवोकेट हाईकोर्ट इलाहाबाद, विशिष्ट अतिथि श्रीमती उर्मिला ठाकुर सदस्य विधान परिषद बिहार, मुख्य वक्ता के रूप में संगठन के प्रदेश संरक्षक पटना विश्वविद्यालय के आंग्ल भाषा विभाग के अध्यक्ष पूर्व सदस्य बिहार लोक सेवा आयोग प्रो0 डा0 शिव जतन ठाकुर राष्ट्रीय महासचिव लाडू सुलेकर, प्रोफेसर डी एन शर्मा गणित विभागाध्यक्ष, चाइनीज बौद्ध विहार नालंदा के प्रमुख पूज्य भंते धम्मा रत्ना, बी डी नन्द उर्फ भंते धम्मानन्द, तथा सूर्यदेव शास्त्री उर्फ भंते उपालि को बैज लगाकर सम्मानित किया गया। सभी मंचासीन अतिथियों द्वारा तथागत बुद्ध, अर्हत उपालि , प्रथम चक्रवर्ती सम्राट महापद्मनंद, भारत रत्न बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर, लोक कलाकार भिखारी ठाकुर तथा भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर के चित्रों पर माल्यार्पण पुष्पार्पण तथा दीप प्रज्ज्वलित करने के उपरांत उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन वन्दन स्मरण किया गया। पूज्य भंते धम्मा रत्ना जी ने सभी को बुद्ध वन्दना, त्रिशरण तथा पंचशील का पाठ कराया। कार्यक्रम का संचालन संगठन के राष्ट्रीय संगठन सचिव आदित्य नारायण सेन तथा राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य माता प्रसाद वर्मा ने संयुक्त रूप से किया। सभागार में उपस्थित सभी महानुभावों तथा विशिष्टजनों एवं अभ्यागतों का स्वागत आदर सम्मान करते हुए संक्षिप्त रूप में संगठन की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बिहार प्रदेश के महासचिव चंद्र मौलि प्रसाद ने अपने कार्यकाल की रिपोर्ट प्रस्तुत किया, जिसे सभागार में उपस्थित लोगों द्वारा स्वीकार कर लिया गया । तत्पश्चात प्रोफेसर डी एन शर्मा ने अपना विद्वता पूर्ण वक्तव्य प्रस्तुत किया । उनके ओजपूर्ण भाषण के पश्चात बिहार विधान परिषद की सदस्य श्रीमती उर्मिला ठाकुर ने अपने संबोधन में कहा कि नंद समाज में प्रतिभाओं की कमी नहीं है, आवश्यकता है उन्हें उचित प्लेटफार्म देने की । इसी क्रम में श्रीमती उर्मिला ठाकुर जी ने कहा अधिकार मांगने से नहीं मिलते बल्कि उसके लिए पूरी सामर्थ्य के साथ समर्पित भाव से निरंतर लगे रहकर योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने की आवश्यकता है । उन्होंने स्व दृष्टांत देते हुए कहा कि विधान परिषद में मैं भी आसानी से नहीं पहुंची, सतत संघर्ष करते हुए इस मुकाम तक पहुंची हूं। उनकी ओजपूर्ण वाणी ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रोफेसर डॉ वाई सुलेखा सुर्लेकर, नन्द युग पत्रिका के प्रधान संपादक एस के पी नन्द, कैप्टन विनोद वर्मा, गिरीश कुमार शर्मा, प्रोफेसर श्याम सुंदर ठाकुर,बांका से विनय कुमार शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष प्रोफेसर श्रीकांत ठाकुर, एडवोकेट ओमेंद्र शर्मा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डा0 सुबोध कुमार शर्मा, कैमूर से जिला अध्यक्ष किशोरी ठाकुर, उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष अशोक कुमार नन्द, बेगूसराय से श्रीमती आभा भूषण शामिल रहे । सभी को बैज लगाकर स्वागत किया गया। इस सत्र का विषय - ' नन्द समाज की समस्याएं एवं उनके निराकरण में ऑल इण्डिया एम सी ई ए की भूमिका ' निर्धारित किया गया था जिस पर वक्ताओं ने सारगर्भित विचार व्यक्त किये । सभी ने बारी बारी से कार्यक्रम को संबोधित किया तथा अपनी बातें रखीं । अग्रलिखित वक्ताओं ने भी अपने विचार व्यक्त किए - राकेश बिहारी शर्मा, दीपक

शिव जतन ठाकुर ने अपनी ओजपूर्ण वाणी के द्वारा अपने इतिहास की पृष्ठभूमि से उद्बोधन की शुरुआत कर सभी को प्रेरित करते हुए, मार्गदर्शन देते हुए नन्द समाज को पुनः उसी गौरवपूर्ण पद पर प्रतिष्ठित होने का मूलमंत्र दिया। अपने अभावग्रस्त जीवन का दृष्टांत सबके सम्मुख प्रस्तुत करते हुए सभी को धैर्यशीलता के साथ सामाजिक चुनौतियों का डटकर मुकाबला करने के लिए प्रेरक सम्बोधन दिया। मुख्य अतिथि एडवोकेट रामशील शर्मा ने अपने उद्बोधन से नन्द समाज के बुद्धिजीवियों को अवगत कराया कि आधुनिक भारत से अधिक गौरवशाली भारत हमारे पूर्वजों का काल खण्ड रहा है । भारत विश्व गुरु और सोने की चिड़िया नन्द राजाओं के शासनकाल में कहलाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रख्यात शिक्षाविद् डा0 कृष्ण मुरारी ठाकुर ने अपना विद्वतापूर्ण अध्यक्षीय उद्बोधन दिया। उद्घाटन सत्र समापन से पूर्व लोक कलाकार भिखारी ठाकुर की बड़ी बहन श्रीमती रामेश्वरा देवी के पौत्र स्मृति शेष राम दास राही, जिनका देहावसान दिनांक 4.12.2025 को हो गया था, दो मिनट का मौन रख कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। भोजनोपरान्त द्वितीय सत्र की अध्यक्षता राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अवध राज नन्द ने किया। अन्य मंचासीन लोगों में प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती विमला कुमारी, गोवा से पधारीं श्रीमती कुमार, मृत्युंजय शर्मा, अविनाश कुमार दत्ता, दिलीप कुमार,डा0 राजेंद्र ठाकुर, दीनानाथ शर्मा,बसन्त प्रसाद,राम आसरे शर्मा, अशोक कुमार नन्द, इन्द्र जीत शर्मा, रोहिताश कुमार, उमेश कुमार प्रभात,डा0 अवध कुमार ठाकुर,लाडू सुर्लकर, श्रीमती मधु देवी, कबड्डी की राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी कुमारी सुन्दर कुमारी, अण्डर 19 क्रिकेट खिलाड़ी प्रखर ज्ञान, श्रीमती निशा शर्मा, प्रदीप कुमार,महेश्वर ठाकुर, सुनील कुमार आदि प्रमुख रहे । संगठन के प्रमुख पदाधिकारियों तथा कार्यकर्ताओं को शाल, प्रतीक चिन्ह, प्रथम चक्रवर्ती सम्राट महापद्मनंद के फोटो युक्त कैलेंडर तथा नन्द राजवंश का गौरवशाली इतिहास नामक पुस्तिका देकर सम्मानित किया गया। कुमारी सुन्दर कुमारी को भी शाल, प्रतीक चिन्ह तथा ? 2500/- पत्र मुद्रा देकर सम्मानित किया गया। द्वितीय सत्र के अध्यक्ष अवध राज नन्द ने आयोजकों सहित सभी अतिथियों एवं पदाधिकारियों तथा उपस्थित जन समुदाय को सफल आयोजन हेतु धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि इस ऐतिहासिक धरती से सम्पूर्ण भारत में सकारात्मक सन्देश जायेगा तदोपरांत कार्यक्रम के समापन की घोषणा किया। यह जानकारी ऑल इण्डिया एम सी ई ए के कार्यकारिणी सदस्य माता प्रसाद वर्मा ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए दिया है।

भव्य कलशयात्रा के साथ श्री राम कथा का शुभारंभ हुआ

श्री राम कथा श्रवण से सभी पापों का क्षय होता है - स्वामी पंचमानंद जी महाराज

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर 82 स्थित ईडब्ल्यूएस पॉकेट 7 में आयोजित

श्रीराम कथा का विशाल कलश यात्रा के साथ हुआ शुभारंभ हुआ। बैंड बाजे व ढोल नगाड़ों साथ महिलाओं ने अपने सिर पर कलश रखकर पूरे सेक्टर में कलश यात्रा निकाली। शोभा यात्रा में आगे आगे घोड़े फिर बैंड बाजा इसके

बाद कथा व्यास अनंत श्री विभूषित महामंडलेश्वर श्री श्री 1008 स्वामी पंचमानंद जी महाराज का रथ उसके पीछे कलश धारण किए महिलाएं एवं भक्तजन और भगवान राम, सीता , लक्ष्मण, हनुमान जी की शोभायात्रा को शोभायमान कर रहे थे। बैंड बाजों की थाप पर थिरकते श्रद्धालुओं के जय श्रीराम के उद्घोष ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कलश यात्रा पूरे सेक्टर 82 एवं 93 में घूमती हुई पुनः कथा स्थल पहुंची इस दौरान जगह फूलों से कलश यात्रा का भव्य स्वागत किया गया और जलपान की भी व्यवस्था की गई। कथा व्यास महामंडलेश्वर स्वामी पंचमानन्द महाराज ने राम कथा का महात्म्य बताते हुए कहा कि जन्म जन्मांतर के पुण्यों के अभ्युदय होने पर हमें राम कथा रूपी अमृत पान करने का शुभ अवसर प्राप्त होता है। श्रीराम कथा के श्रवण मात्र से हमारे मेरु समान पापों का शमन हो जाता है। राम कथा संस्कारों का बीजारोपण करती है। सती चरित्र देव मणि शुक्ल ने बताया कि सभी पॉकेट वासियों के सहयोग से यह श्रीराम का आयोजन हो रहा है। श्रीराम कथा नित्य 4 बजे से 9 बजे तक होगी। 30 मार्च को नारद मोह, अहिल्या उद्धार आदि कथाओं का वर्णन किया जाएगा। सभी श्रद्धालु भक्तों से अनुरोध है कि कथामृत का रसपान कर पुण्यलाभ अवश्य अर्जित करें। इस अवसर पर देव मणि शुक्ल, संजय पांडे, गोरे लाल, रवि राघव, दीपक तिवारी, सतेंद्र कुमार सिंह,घनश्याम जोशी,हरि शंकर सिंह, संजय शुक्ला,अंगद सिंह तोमर, विष्णु शर्मा, हंसमणि शुक्ल, अनूप सिंह , अनिल कुमार शर्मा, अवनीश कुमार तिवारी,संगम प्रसाद मिश्र, राजवीर सिंह, सी एल तिवारी, संदीप पाण्डेय, सिया राम, धर्मेंद्र सिंह,विकास शर्मा, रमेश गुप्ता, विजय जी,अवनीश कुमार शर्मा,धर्मेंद्र कुमार मिश्रा, प्रकाश जोशी, पप्पू सिंह,विकास कुमार, सुभाष शर्मा, ललित शर्मा, कुंदन सिंह,सर्वेश तिवारी, दिनेश कुमार पाठक, संजीव ढाली, राकेश कुमार, प्रशांत कुमार पाठक विजय कुमार झा, रविन्द्र कुमार सिंह, अरविंद परिहार, मनीष दूबे, विनय त्रिवेदी, ललित फुलेरा, राकेश कुमार शर्मा, राम लाल, अजय सिंह, सहित भारी संख्या में भक्त मौजूद रहे।

कल 'काला दिवस' मनाएगा गौतम बुद्ध नगर का मज़दूर वर्ग- गंगेश्वर दत्त शर्मा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा/ग्रेटर। नोएडा, केंद्रीय ट्रेड यूनियनों एवं स्वतंत्र फेडरेशनों के

संयुक्त मंच के आह्वान पर 1 अप्रैल 2026 को पूरे देश में 'काला दिवस' मनाया जाएगा, जिसके तहत सीटू जिला कमेटी गौतम बुद्ध नगर ने जिले के सभी कारखानों, औद्योगिक क्षेत्रों, निर्माण स्थलों, संस्थानों और कार्यस्थलों के मज़दूरों, कर्मचारियों एवं यूनियन कार्यकर्ताओं से इस विरोध में शामिल होने की अपील की है। सीटू जिला कमेटी ने बताया कि केंद्र सरकार ने 1 अप्रैल 2026 को श्रमिक-विरोधी चार श्रम संहिताओं को लागू करने के लिए केंद्रीय नियमों की अधिसूचना हेतु घोषित किया है। इन संहिताओं को 'ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस' के नाम पर लाया गया है, लेकिन वास्तव में ये-यूनियन बनाने और हड़ताल के अधिकार को कुचलती हैं, 8 घंटे के कार्यदिवस को खत्म कर कार्य समय को मालिक की मर्जी पर छोड़ती हैं, ठेका प्रथा और फिक्स्ड टर्म रोजगार को स्थायी बनाती हैं, न्यूनतम वेतन, सामाजिक सुरक्षा, बोनस, ग्रेच्युटी जैसे अधिकारों को कमजोर करती हैं, मालिकों के उल्लंघनों को अपराधमुक्त करती हैं, जबकि यूनियन गतिविधियों को दंडनीय बनाती हैं। सीटू ने कहा कि लगभग 150 वर्षों के संघर्ष से हासिल अधिकारों को एक झटके में छीनने का यह प्रयास है, जो मज़दूर वर्ग को फिर से औपनिवेशिक गुलामी की ओर धकेलने की साजिश है। जिला कमेटी ने याद दिलाया कि 12 फरवरी 2026 की ऐतिहासिक आम हड़ताल में गौतम बुद्ध नगर के श्रमिकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया था, और उसी जज़्बे के साथ 1 अप्रैल को काला दिवस मनाया जाएगा। कार्यक्रम के स्वरूप- काले बैज लगाकर काम पर आना, हाथ/माथे पर काली पट्टी बांधना, लंच अवकाश में गेट मीटिंग, नारेबाजी, प्रदर्शन,फैक्ट्री गेटों पर धरना, जुलूस, मोटरसाइकिल रैली, अन्य रचनात्मक प्रतिरोध-जिले में आयोजित प्रमुख कार्यक्रम, प्रातः 7:00 बजे – अनमोल इंडस्ट्रीज, उद्योग विहार, ग्रेटर नोएडा पर विरोध सभा.दोपहर 12:00 बजे – श्रम कार्यालय, सेक्टर 3, नोएडा पर ट्रेड यूनियनों द्वारा संयुक्त विरोध प्रदर्शन दोपहर 2:00 बजे – बी-190, फेस टू, नोएडा कंपनी के पास विरोध सभा दोपहर 2:00 बजे – अंबुजा सीमेंट कंपनी, एनटीपीसी दादरी, ग्रेटर नोएडा पर विरोध सभा-सीटू जिला कमेटी ने सभी यूनियनों, फेडरेशनों, एसोसिएशनों और प्रगतिशील संगठनों से अपील की है कि वे संयुक्त रूप से या स्वतंत्र रूप से, अपनी सुविधा अनुसार कार्यक्रम आयोजित करें और एकजुट होकर यह संदेश दें कि गौतम बुद्ध नगर का मज़दूर वर्ग इन काले कानूनों को स्वीकार नहीं करेगा।

वृहद रोजगार मेला का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। उत्तर प्रदेश रोजगार

मिशन के अंतर्गत क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय प्रयागराज द्वारा सोमवार को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नैनी प्रयागराज परिसर में वृहद रोजगार मेला का आयोजन किया गया जिसमें निजी क्षेत्र की विभिन्न कंपनियों द्वारा साक्षात्कार के माध्यम से 1415अभ्यर्थियों का चयन किया गया जिसमें 2513 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय श्री गणेश चंद्र केसरवानी महापौर प्रयागराज उपस्थित रहे, उन्होंने अभ्यर्थियों को मार्गदर्शित किया। श्री राजीव कुमार यादव सहायक निदेशक सेवायोजन प्रयागराज ने अभ्यर्थियों को उत्साह वर्धन किया जिला सेवायोजन अधिकारी श्री चंद्रकांत सिंह, मेला अधिकारी श्री प्रशांत एवं श्री प्रवीण कुमार यादव, व श्री सरफराज उल्ला श्री मारूफ अहमद व मोहनीश कुमार अमृतलाल गुप्ता संजीव आर्या आदि कर्मचारीगढ़ उपस्थित रहे।

हनुमंत जन्मोत्सव पर बाल हनुमान मंदिर का सजेगा दिव्य दरबार, होगा दो दिवसीय भव्य कार्यक्रम का आयोजन

2 अप्रैल दिन गुरुवार को कार्यक्रम के - प्रथम दिन 'आनंद उत्सव' का होगा आयोजन,3 अप्रैल दिन शुक्रवार को दूसरे दिन नगर में निकाली जाएगी निशान यात्रा एवं 'बधाई उत्सव का किया जाएगा भव्य आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। हनुमान जन्म उत्सव के अवसर पर नगर के मेन रोड उत्तर मोहाल में स्थित केडिया जी के बगीचे (अवतार उपवन) के बाल हनुमान मंदिर में दो दिवसीय भव्य कार्यक्रम का आयोजन होना है जिसमें प्रथम दिन 'आनंद उत्सव' और दूसरे दिन निशान यात्रा एवं 'बधाई उत्सव' का आयोजन किया जाएगा। आयोजक निर्मल केडिया, अनुज केडिया एवं किशोर केडिया ने संयुक्त रूप से बताया है कि दिनांक 2 अप्रैल दिन गुरुवार को सुबह 10:00 बजे से हनुमान जी का दिव्य श्रृंगार, मधुर सोहर गीत का गायन किया जाएगा। शाम 7:00 बजे हनुमान जी की जन्मोत्सव की झांकी के दर्शन एवं दिव्य आरती की जाएगी और रात्रि 8:00 बजे से भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया है। जिसमें की सुप्रसिद्ध भजन गायक राजन अग्रहरि, सुनीता सवारियां एवं नीरज केजरीवाल अपने गायन के माध्यम से भक्तों को मंत्रमुग्ध करेंगे। वहीं दिनांक 3 अप्रैल दिन शुक्रवार को सुबह 7:00 से ब्रह्म बाबा की गली से निशान यात्रा निकाली जाएगी जो कि बाल हनुमान मंदिर पर जाकर सम्पन्न होगी जहां पर बधाई उत्सव का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद प्रसाद वितरण और हवन के साथ कार्यक्रम सम्पन्न होगा। निर्मल कुमार केडिया ने सभी हनुमान भक्तों से निवेदन किया है कि इस अवसर पर सभी हनुमान भक्त मंदिर पर उपस्थित होकर पूर्ण के भागी बने।

समूह सखियों ने मानदेय और समस्याओं को लेकर किया प्रदर्शन,जिलाधिकारी नामित ज्ञापन देकर बुलंद की आवाज

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। घोरावल ब्लाक क्षेत्र के शाहगंज के कलस्टर के अन्तरगत 30 समूह सखि निम्न गाँव से कार्य करती हैं। सोमवार को समूह सखियों द्वारा विभिन्न आरोप लगाते हुए कलेक्ट्रेट पर विरोध प्रदर्शन कर जिलाधिकारी नामित ज्ञापन देकर संबंधित मामले में न्याय दिलाए जाने की गुहार लगाई गई। समूह सखियों ने बताया कि जो भी समूह को पैसा मिलता है उसमें से थोड़ा बहुत पैसा हम लोगों को देखकर बाकी पैसा उनकी बी.के और बीएमएम ले लेते हैं। ऐसे ही समूह सखियों के साथ हो रहा है और वही समूह सखियों ने बताया कि हम लोगों का मानदेय और इंाई राशन 4 साल से नहीं मिला है और अपना मानदेय मांगने पर समुह सखियों को पद से हटाया जा रहा है। समूह सखियों ने बताया कि हमारी बी.के पुजा दीदी ने जब मेरे सीएलएफ पर आई तब से हमलोगों का मानदेय नहीं दे रही है। सारी समस्या यही करवा रही है। सभी दीदी लोगों का कहना है कि हमारी बी.के पुजा को जल्दी से जल्दी हटाया जाय नहीं तो समूह सखियों को काम करने में बहुत समस्या हो रही है। जैसे- की श्यामा दीदी को पाँच साल से काम कर रही हैं, उनका एक रुपया मानदेय नहीं मिला और उनको समूह से पर्द हटा दिया गया है। हम लोगों का पाँच-पाँच साल का मानदेय दिया जाए। वहीं समूह सखियों ने बताया कि पुजा को जल्दी से जल्दी हटाने की कृपा करें नहीं तो सभी समुह सखियों द्वारा मुख्यालय पर हम लोग आत्महत्या कर लेंगे या तो हम लोगों को न्याय दिलाया जाए। इस मौके पर सोनी, श्यामा, सुनीता, कौशल्या, संतरा, श्वेता, सीता, दुर्गावती, सीता, मोनिका, राजकुमारी, सुनीता देबी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

राजकुमार के हत्यारे को गिरफ्तार कर मुआवजे की मांग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जन जनवादी पार्टी कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट परिसर में एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कर अपनी चार सूत्री मांगों को लेकर राज्यपाल नामित ज्ञापन जिलाधिकारी प्रतिनिधि को सौंपकर बुलंद की आवाज। जिलाध्यक्ष राम लक्ष्मण सिंह ने बताया कि विगत गोरखपुर में 17.3.26 को व्यक्ति को गोली मारकर चाकू गोमकर निर्मम हत्या की गई। वही श्री अध्यक्ष ने बताया कि प्रदेश के सभी जिला मुख्यालय पर मानवाधिकार के द्वारा सीबीआई जांच के संबंध में एक दिवासी धरना प्रदर्शन एवं हत्या आरोपी की रफ्तार करने के संबंध में जन जनवादी पार्टी इकाई द्वारा ज्ञापन सौपा गया। वही अध्यक्ष ने बताया कि राजकुमार के हत्यारे को गिरफ्तार करते हुए मानवाधिकार द्वारा सीबीआई लगाकर न्याय दिलाए जाने गुहार लगाई गई। वहीं इस दौरान प्रमुख चार मांगों में राजकुमार चौहान की हत्या में संलिप्त सभी हत्यारोपियों को गिरफ्तार किया जाए, आरोपियों के घर पर बुलडोजर की कार्रवाई की जाए, परिवार को 5 करोड़ का मुआवजा दिलाया जाए, परिवार को एक नौकरी एवं शस्त्र लाइसेंस भी दिया जाए। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष रामदुलारे सिंह, जिला सचिव शिवकुमार, सुशील कुमार, राधेश्याम, किशन चौहान, कमलेश, गणेश चौहान, अजय सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

आर्चरी कंपटीशन विजेता खिलाड़ियों को अतिथि ने किया सम्मानित,चतुर्थ पीएसपीबी आर्चरी कंपटीशन के तीसरे दिन की प्रतियोगिता

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। चतुर्थ पीएसपीबी आर्चरी कंपटीशन के तीसरे दिन सोमवार को प्रातः 8:00 बजे से प्रतियोगिता का संचालन शुरू हुआ, जिसमें इंडियन राउंड कंपाउंड और रिकर्व के प्रतिभागीयों ने प्रतिभाग किया। उद्घाटन के समय तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष राम सकल , उपाध्यक्ष बाबूराम सिंह, रवि भूषण सिंह, अमर बहादुर सिंह, सचिव मनोज कुमार, अभिषेक यादव, खेल अधिकारी समीम, राकेश मेहता साथ ही कमेटी के सारे सदस्य एडवोकेट कामता यादव उपस्थित रहे। प्रतिभाग करने वाले विभिन्न जिलों के खिलाड़ियों ने अपने पूरे दमदम का प्रदर्शन करते हुए अच्छे निशाने को लेने के लिए लक्ष्य पर निशाना साधा, जिसमें सब जूनियर इंडियन राउंड गर्ल्स में निधि, मानशी ज्योति ने पहला, दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया। सब जूनियर इंडियन राउंड बॉयज में अनुराग यादव, शिवम् तथा विशाल प्रजापति ने पहला, दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया। वही सब जूनियर कंपाउंड राउंड वोमेन में विशिसठा, ऋतू शर्मा, वारेन्य राना तथा बॉयज में रोहित, प्रशांत और अभिमन्यु ने पहला, दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया। सीनियर कंपाउंड राउंड में विशेष अनिल कुमार, रोहित राना तथा गर्ल्स में संध्या, भावना तथा अम्बिका ने पहला, दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया। पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में डॉक्टर अनिल कुमार मौर्य विधायक घोरावल तथा अध्यक्षता उत्तर प्रदेश तीरंदाजी संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और जनपद सोनभद्र के तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष राम सकल जी द्वारा किया गया।

हत्या के दोषी हीरालाल अगरिया को सश्रम आजीवन कारावास

10 हजार रूपये अर्थदंड, न देने पर 3 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी,जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित की जाएगी-साढ़े तीन वर्ष पूर्व हुए चमेली हत्याकांड का मामला

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। साढ़े तीन वर्ष पूर्व हुए चमेली हत्याकांड के मामले में सोमवार को सुनवाई करते हुए सत्र न्यायाधीश राम सुलीन सिंह की अदालत ने दोषसिद्ध पाकर दोषी हीरालाल अगरिया को सश्रम आजीवन कारावास व 10 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 3 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित की जाएगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक मुन्ना पुत्र हीरालाल निवासी डूडीदह बसुधा कोटा, थाना चोपन, जिला सोनभद्र ने चोपन थाने में दी तहरीर में अवगत कराया था कि 28 जून 2022 को सुबह 8 बजे उसकी मौसी चमेली (48) वर्ष जंगल में बकरी चराने गई थी। जहां गांव का हीरालाल अगरिया पुत्र रामबली अगरिया भी पहुंच गया और मौसी से भूत प्रेत को लेकर विवाद हो गया और हीरालाल अगरिया ने कुल्हाड़ी के डंडे से उसकी मौसी चमेली को मारकर गंभीर चोट पहुंचाई, जिसे लेकर अस्पताल जा रहा था तो रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।आवश्यक कार्रवाई की जाए। इस तहरीर पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दिया। विवेचक ने पर्याप्त सबूत मिलने पर न्यायालय में चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई के दौरान जहां अभियुक्त के अधिवक्ता ने पहला अपराध बताते हुए कम से कम दंड दिए जाने की याचना की, वहीं जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी ज्ञानेंद्र शरण रॉय ने हत्या का मामला बताते हुए अधिक से अधिक दंड देने की याचना की। अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान व पत्रावली का अवलोकन करने के बाद दोषसिद्ध पाकर दोषी हीरालाल अगरिया को सश्रम आजीवन कारावास व 10 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड अदा न करने पर 3 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित की जाएगी।

चोपन के विकास चंद्र पांडेय बने असिस्टेंट कमिश्नर

सोनभद्र। सोनभद्र के चोपन निवासी विकास चंद्र पांडेय ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) 2024 की परीक्षा में सफलता हासिल की है। उन्होंने 5वीं रैंक प्राप्त कर असिस्टेंट कमिश्नर (उद्योग) के पद पर चयन सुनिश्चित किया है। विकास चंद्र पांडेय अजय कुमार पांडेय के पुत्र हैं। वह वर्तमान में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में राजपत्रित अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं। इससे पूर्व उन्होंने संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा भी उत्तीर्ण की थी। विकास की प्रारंभिक शिक्षा स्थानीय रेल कर्मचारी इंटर कॉलेज में हुई। उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री प्राप्त की। इसके बाद, उन्होंने आईआईटी बॉम्बे से एमएससी की पढ़ाई पूरी की। विकास के चयन की सूचना मिलने पर उनके निवास स्थान गौरव नगर सहित चोपन क्षेत्र में लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त की। स्थानीय नागरिकों और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई दी है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, विकास की यह सफलता क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणादायक है। यह दर्शाता है कि छोटे शहरों के विद्यार्थी भी कड़ी मेहनत और समर्पण से उच्च पदों पर पहुंच सकते हैं।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है
श्री महन्तू
अग्निशमन सुरक्षा अधिकारी नैनी, प्रयागराज
नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

रोहित ने अपनी सबसे तेज आईपीएल फिफ्टी लगाई,मुंबई का सबसे बड़ा रनचेज-रिकॉर्ड्स

एक टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाए

मुंबई। मुंबई इंडियंस ने आईपीएल में अपना सबसे बड़ा रन चेज किया। टीम ने कोलकाता नाइट राइडर्स को 6 विकेट से हरा दिया। वानखेड़े स्टेडियम में रोहित शर्मा ने अपनी सबसे तेज आईपीएल फिफ्टी लगाई। वे किसी एक टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर भी बने। रोहित के अब कोलकाता के खिलाफ 1161 रन हो गए हैं। इस जीत के साथ मुंबई ने 14 साल बाद आईपीएल में अपना पहला मैच जीत लिया। टीम ने 2012 में आखिरी बार टूर्नामेंट में ऐसा किया था। तब चेन्नई सुपर किंग्स को हराया था।मुंबई इंडियंस ने आईपीएल इतिहास का अपना सबसे बड़ा रनचेज पूरा करते हुए 224 रन का लक्ष्य हासिल किया। इससे पहले टीम का दूसरा सबसे बड़ा चेज 219 रन का था, जो उसने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 2021 में किया था।रोहित शर्मा ने ने सिर्फ 23 गेंदों में अर्धशतक

पूरा किया। यह आईपीएल में उनकी सबसे तेज फिफ्टी है। इससे पहले उनका सबसे तेज अर्धशतक 25 गेंदों में आया था, जो उन्होंने 2015 के फाइनल में चेन्नई के खिलाफ लगाया था। रोहित ने आईपीएल में 50वीं बार 50 प्लस स्कोर बनाया। वे इस सूची में चौथे स्थान पर हैं, जबकि विराट कोहली 72 स्कोर के साथ टॉप पर हैं। उनके बाद डेविड वॉर्नर (66) और शिखर धवन (53) का नंबर आता है। रोहित ने कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ आईपीएल में सबसे ज्यादा 1161 रन बनाए हैं। वे किसी एक टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। इस सूची में विराट कोहली पंजाब किंग्स (1159) और चेन्नई सुपर किंग्स (1146) के खिलाफ रन बनाकर दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। अजिंक्य रहाणे ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ छठी बार 50+ स्कोर बनाया। वे इस लिस्ट में शिखर धवन, क्रिस गेल, मनीष पांडे और विराट कोहली के साथ चौथे स्थान पर हैं, जबकि केएल राहुल 9 अर्धशतकों के साथ टॉप पर हैं।सुनील नरेन ग्रुप में सबसे ज्यादा 190 मैच खेलने वाले विदेशी खिलाड़ी हैं। उनके बाद कीरोन पोलार्ड (189) दूसरे स्थान पर हैं, जबकि एबी डिविलियर्स और डेविड वॉर्नर 184-184 मैच के साथ तीसरे स्थान पर हैं।मुंबई इंडियंस 300 आईपीएल मैच खेलने वाली पहली टीम बन गई। इंग्लिश टीम समरसेट और पाकिस्तान ने टी-20 में सबसे ज्यादा 303-303 मैच खेले हैं।

पसीना भी बताता है सेहत का हाल,स्वेटिंग पैटर्न से जानें यह किस हेल्थ कंडीशन का संकेत

कब डॉक्टर को दिखाना जरूरी

नयी दिल्ली। विषय को समझेंगे सवाल जवाब के माध्यम से- गर्मियों में पसीना आना कॉमन है। लेकिन क्या आपने कभी ऐसा महसूस किया है कि तापमान सामान्य है, फिर भी पसीना आ रहा है। पसीने से अजीब सी स्मेल आ रही है। अगर हां, तो ये कॉमन नहीं है। इसका मतलब ये हो सकता है कि हमारा शरीर किसी हेल्थ कंडीशन की ओर इशारा कर रहा है। इंसान के स्वस्थ रहने के लिए पसीना आना जरूरी है, लेकिन कई बार यह सेहत से जुड़े कई अहम संकेत भी देता है। 'साइंस डेली' में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, पसीना सालों पहले ही कुछ हेल्थ कंडीशंस के संकेत देने लगता है। स्वेटिंग पैटर्न (पसीने का पैटर्न) से इसका पता लगा सकते हैं। इसलिए 'फिजिकल हेल्थ' में आज समझेंगे कि पसीना क्यों आता है। साथ ही जानेंगे कि- इसका हेल्दी पैरामीटर क्या है? इसकी स्मेल किस बात का संकेत है?सवाल- पसीना क्यों आता है? यह शरीर के लिए क्यों जरूरी है? जवाब- पसीना शरीर का नेचुरल कूलिंग सिस्टम है। जब बॉडी का तापमान बढ़ता है, तो यह पसीने के जरिए खुद को ठंडा करती है। जब पसीना वाष्पित होता है तो शरीर का तापमान कम होता है। ये शरीर से अतिरिक्त गर्मी को कम करता है, जिससे ओवरहीटिंग नहीं होती। एक्सरसाइज, गर्म मौसम, स्ट्रेस या हॉर्मोनल बदलाव में पसीना ज्यादा आता है, क्योंकि इससे मेटाबॉलिज्म और बॉडी हीट बढ़ती है। अगर पसीने का पैटर्न सामान्य है तो इसका मतलब है कि हार्ट, नर्वस सिस्टम और टेम्परेचर कंट्रोलिंग सिस्टम स्मूदली काम कर रहा है।सवाल- क्या पसीना आने का भी कोई हेल्दी पैरामीटर होता है? क्या ये हेल्थ का मार्कर हो सकता है? जवाब- पसीने की मात्रा हर व्यक्ति में अलग होती है। यह फिटनेस लेवल, जेनेटिक्स और मौसम से प्रभावित होता है। एक्सरसाइज के समय पसीना आना अच्छी कार्डियोवस्कुलर एडाप्टेशन का संकेत हो सकता है। कार्डियोवस्कुलर एडॉप्टेशन का मतलब है, हार्ट और ब्लड वेसल्स शरीर की जरूरतों के अनुसार खुद को एडजस्ट कर रही हैं। बिल्कुल पसीना न आना या बहुत ज्यादा आना (हाइपरहाइड्रोसिस) कभी-कभी नर्व, हॉर्मोन या स्किन प्रॉब्लम्स से सीधा कनेक्शन है- हॉर्मोन शरीर के तापमान और मेटाबॉलिज्म को कंट्रोल करते हैं। थायरॉइड ज्यादा एक्टिव होने पर ज्यादा बड़ी हीट बनती है। इससे पसीना बढ़ सकता है। लो थायरॉइड में पसीना कम और स्किन ड्राई लग सकती है। बीमारी जैसे हाइपर-थायरॉइडिज्म में बार-बार पसीना आ सकता है। ब्लड शुगर लो होने पर अचानक पसीना और कंपकंपी हो सकती है। यह कंडीशन डायबिटीज में भी देखी जाती है। प्यूबर्टी या मेनोपॉज में हॉट फ्लैशेज (अचानक गर्मी लगना) के साथ स्वेटिंग हो सकती है। सवाल- क्या स्ट्रेस और एंग्जाइटी के कारण भी पसीने का पैटर्न बदल सकता है? इसके क्या संकेत होते हैं? जवाब- हां, स्ट्रेस के कारण शरीर की हॉर्मोनल एक्टिविटीज बदलती हैं और इससे पसीने का पैटर्न भी बदल जाता है-स्ट्रेस में सिम्पेथेटिक नर्वस सिस्टम (शरीर का फाइट या फ्लाइट मोड में जाना) एक्टिव होकर पसीना बढ़ाता है। हथेलियों, तलवों और अंडरआर्म में अचानक पसीना आना कॉमन है। सामान्य तापमान में भी पसीना आना एंग्जाइटी ट्रिगर का संकेत हो सकता है। स्ट्रेस बढ़ने पर तेज हार्ट रेट के साथ पसीना हो सकता है। पब्लिक स्पीकिंग या डर की स्थिति में पसीना बढ़ना सामान्य प्रतिक्रिया है। लगातार स्ट्रेस से स्वेटिंग पैटर्न अनियमित हो सकता है।सवाल- हेल्दी स्वेटिंग और बॉडी टेम्परेचर बैलेंस रखने के लिए लाइफस्टाइल में क्या बदलाव करने चाहिए? जवाब- इसके लिए लाइफस्टाइल में कुछ छोटे-छोटे बदलाव करने चाहिए।सवाल- पसीने की स्मेल कम करने और स्किन को हेल्दी रखने के लिए क्या करना चाहिए? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए-रोज नहाते समय अंडरआर्म, पैर और स्किन फोल्ड्स (शरीर के जॉइंट्स के आसपास की स्किन) अच्छी तरह साफ करें। एंटीबैक्टीरियल और स्किन-फ्रेंडली साबुन इस्तेमाल करें। नहाने के बाद थोड़ी देर बॉडी में हवा लगने दें। ढीले और साफ कपड़े पहनें। पसीना होने पर रोज कपड़े बदलें। डाइट में फाइबर, हरी सब्जियां और प्रोबायोटिक फूड शामिल करें। बहुत मीट, प्रोसेस्ड और जंक-फूड कम खाएं। नींबू पानी या हर्बल ड्रिंक लें। इससे बॉडी ओडर कंपाउंड्स नही बनाती हैं। सवाल- किस तरह का स्वेटिंग पैटर्न दिखने पर डॉक्टर के पास जाना चाहिए? जवाब- इन सभी कंडीसंस में डॉक्टर से कंसल्ट करना जरूरी है-अगर बिना वजह बहुत ज्यादा या अचानक पसीना हो। अगर पसीने के साथ सीने में दबाव, घबराहट या सांस फूले। अगर बार-बार रात में भीग जाने जैसा पसीना आए। अगर गर्मी या एक्सरसाइज में भी पसीना न आए, शरीर बहुत गर्म लगे। अगर सिर्फ एक साइड या एक हिस्से में असामान्य स्वेटिंग दिखे।अगर पसीने के साथ चक्कर, कमजोरी या बेहोशी महसूस हो।

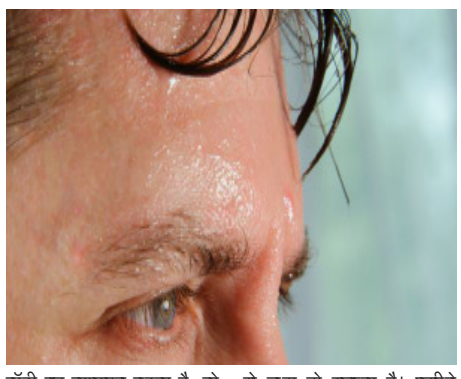

12 कारणों से घर में लगते दीमक,बचाव के लिए जरूरी 18 सावधानियां

टर्माइट ट्रीटमेंट में न करें ये 10 गलतियां

बंगलुरु। गर्मियों में कई घरों में दीमक (टर्माइट) की समस्या बढ़ जाती है। दरअसल गर्मी और नमी का मेल दीमकों के लिए दावत जैसा है। ये दीवार की दरारों और लकड़ी के फर्नीचर में छिपकर इन्हें अंदर-ही-अंदर खोखला कर देते हैं। अक्सर जब तक इनका पता चलता है, तब तक काफी देर हो चुकी होती है। दीमक सिर्फ लकड़ी ही नहीं, लंबे समय में घर की दीवारों और नींव को भी कमजोर कर सकते हैं। हालांकि अगर समय रहते कुछ सेफ्टी टिप्स अपनाए जाएं तो इनसे अपने घर को बचाया जा सकता है। आज 'जरूरत की खबर' में बात घर से दीमक भगाने की। साथ ही जानेंगे कि- घरों में दीमक क्यों लगते हैं? घर को दीमक से बचाने के क्या करना चाहिए? विषय को और समझेंगे एक्सपर्टः तौफीक मजूमदार, मैनेजिंग डायरेक्टर, पेस्ट कंट्रोल, बेंगलुरु जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- घरों में दीमक क्यों आते हैं? जवाब- दीमक आमतौर पर नम और अंधेरी जगहों में पनपते हैं। इसके बाद ये धीरे-धीरे लकड़ी, कागज और दीवारों तक फैल जाते हैं। इसके अलावा सीलन, वाटर लीकेज, खराब वेंटिलेशन में भी ये पनप सकते हैं। साफ-सफाई की कमी से ये धीरे-धीरे पूरे घर में फैल सकते हैं। सवाल- घर में किन जगहों पर दीमक लगने का खतरा ज्यादा होता है? जवाब- घरों में दीमक मुख्य रूप से नमी वाली जगहों पर लगते हैं। फर्नीचर, गत्ते, पुरानी किताबें और अखबार दीमकों की पसंदीदा जगहें हैं। सवाल- दीमक लगने के शुरुआती संकेत क्या होते हैं? जवाब- इसके शुरुआती संकेत हैं-फर्नीचर से बुरादा (पाउडर) गिरना। दीवार या फर्नीचर पर मिट्टी की पतली लाइन दिखना। लकड़ी के सामान खोखले या कमजोर लगना। दरवाजा ठीक से बंद न होना। फर्नीचर का फूलना। पेंट या प्लास्टर का उखड़ना। आसपास पंख वाले छोटे कीड़े (टर्माइट) दिखना। ये संकेत दिखते ही तुरंत एक्शन लेना जरूरी होता है। सवाल- घर को दीमक से बचाने के क्या करना चाहिए? जवाब- नमी दीमकों को सबसे ज्यादा आकर्षित करती है। इसलिए पानी का लीकेज तुरंत ठीक कराएं और घर में पर्याप्त वेंटिलेशन बनाए रखें।सवाल- अगर घर के किसी सामान में दीमक लग गए हैं तो क्या करें? जवाब- इसे पॉइंटर्स से समझिए-लकड़ी के फर्नीचर में लगे तो क्या करें? फर्नीचर को धूप में रखें। प्रभावित हिस्से को साफ करके पॉलिश/वार्निश करें। एंटी-टर्माइट ऑयल या स्प्रे लगाएं। ज्यादा नुकसान हो तो रिपेयर करें या बदलें। फर्नीचर और दीवार के बीच स्पेस रखें। किताबों में लगे तो क्या करें? संक्रमित किताबों को अलग कर दें।इन्हें धूप में अच्छी तरह सुखाएं। बुकशेल्फ साफ करके एंटी-टर्माइट स्प्रे करें।

नमी से बचाने के लिए किताबें सूखी जगह पर ही रखें। बुकशेल्फ में नीम के पत्ते और कपूर रखें। दीवार में लगे तो क्या करें? दीमक वाली जगह की पहचान करें। उस जगह पर एंटी-टर्माइट केमिकल स्प्रे कराएं। दीवार की दरारें सील करें।पानी का लीकेज ठीक करें। जरूरत हो तो प्रोफेशनल पेस्ट कंट्रोलर की मदद लें। सवाल- गर्मियों में दीमकों का खतरा ज्यादा क्यों होता है? जवाब- दीमकों के लिए गर्मी और बारिश का मौसम (मानसून) सबसे अनुकूल होता है। इस दौरान गर्मी और नमी (ह्यूमिडिटी) बढ़ने पर ये तेजी से पनपते हैं। बरसात में सीलन के कारण दीमक लकड़ी और दीवारों को नुकसान पहुंचाते हैं, जबकि वसंत और गर्मी में पंख वाले दीमक झुंड में निकलकर नई कॉलोनियां बनाते हैं।सवाल- दीमक से बचाव के लिए फर्नीचर की देखभाल कैसे करें? जवाब- लकड़ी में नमी दीमक को आकर्षित करती है, इसलिए फर्नीचर को सूखी जगह पर रखें। साथ ही कुछ और बातों को ध्यान रखें- फर्नीचर को दीवार से थोड़ा दूर रखें, ताकि हवा पास हो और नमी जमा न हो। रेगुलर सफाई करें। इससे दीमक पनपने की संभावना कम होती है। समय-समय पर फर्नीचर को धूप दिखाएं। इससे नमी खत्म होती है और कीड़े मरते हैं। फर्नीचर पर वार्निश या एंटी-टर्माइट कोटिंग करने से सुरक्षा बढ़ती है। फर्नीचर में छोटे-छोटे छेद या क्रैक्स तुरंत भर दें। ये दीमक के एंट्री पॉइंट्स होते हैं। किचन, बाथरूम या लीकेज एरिया के पास फर्नीचर न रखें। समय-समय पर फर्नीचर में पाउडर, मिट्टी की लाइन या खोखलापन जांचते रहें। सवाल- दीमक का ट्रीटमेंट करते हुए क्या गलतियां नहीं करनी चाहिए? जवाब- दीमक भगाने के दौरान अक्सर लोग कुछ गलतियां करते हैं, जिससे कुछ दिनों बाद फिर से दीमक लगने शुरू हो जाते हैं। सवाल- क्या दीमक इंसानों को नुकसान पहुंचाते हैं? जवाब- नहीं, दीमक सीधे इंसानों को नुकसान नहीं पहुंचाते हैं। लेकिन ये घर, फर्नीचर और कीमती लकड़ी के सामान खराब कर देते हैं। सवाल- क्या सिर्फ पुराने घरों में ही दीमक लगते हैं? जवाब- नहीं, दीमक नए और पुराने दोनों घरों में लग सकते हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि पुराने घरों में लकड़ी और नमी के कारण इनका खतरा ज्यादा होता है।

आंखों की रोशनी बढ़ाएं,रेगुलर करें ये 8 आई एक्सरसाइज डाइट में शामिल करें ये हेल्दी चीजें, न करें 8 गलतियां

मौजूदा वक्त में मोबाइल, लैपटॉप और टीवी हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा हैं। ये चीजें जिंदगी में इस कदर हावी हो गई हैं कि हम अपनी नींद भी पूरी नहीं कर पाते हैं। इसका सीधा असर आंखों पर पड़ता है। नतीजतन आंखों की रोशनी कम हो रही है। उम्र के साथ नजर कमजोर होना कॉमन है, लेकिन बच्चों और युवाओं में ये समस्या चिंता का विषय है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या आंखों की रोशनी फिर से बढ़ सकती है। क्या इसका कोई नेचुरल तरीका हो सकता है। विषय को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. दिग्विजय सिंह, कंसल्टेंट, ऑप्थेल्मोलॉजी, धर्मशिला नारायणा सुपरस्पेशिलिटी हॉस्पिटल, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से सवाल- उम्र के साथ स्वाभाविक ढंग से आंखों की रोशनी कम होती है। लेकिन क्या उम्र के अलावा खराब लाइफस्टाइल और आदतों से भी आंखों की रोशनी कमजोर हो सकती है? जवाब- एजिंग के अलावा खराब लाइफस्टाइल भी आंखों की रोशनी को प्रभावित करती है। जैसेकि-पोषण की कमी (खासकर विटामिन ए,सी और ओमेगा-3) से नजर कमजोर हो सकती है। लंबे समय तक मोबाइल, कंप्यूटर या टीवी स्क्रीन देखने से आंखों पर तनाव बढ़ता है। नींद पूरी न होने और लगातार आंखों के बहुत थकने से भी नुकसान हो सकता है। स्मोकिंग, धूल-धुएं और तेज रोशनी के संपर्क में रहने से भी आंखों की सेहत पर बुरा असर पड़ सकता है। कम रोशनी में पढ़ने या बारीक काम करने से नजर कमजोर हो सकती है। अंधेरे कमरे में ब्राइट लाइट वाली स्क्रीन (टीवी, मोबाइल, आईपैड, लैपटॉप) देखने से नजर कमजोर हो सकती है।सवाल- क्या आंखों की रोशनी बढ़ाई भी जा सकती है? जवाब- आंखों की रोशनी पूरी तरह बढ़ाना संभव नहीं है, लेकिन इसे बेहतर किया जा सकता है। हेल्दी और संतुलित डाइट आंखों को सपोर्ट करती है। साथ सही लाइफस्टाइल से आंखों की रोशनी को लंबे समय तक हेल्दी रखा जा सकता है। सवाल- आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए क्या करना चाहिए? जवाब- इसके लिए हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाना सबसे जरूरी है, जैसेकि- डाइट में विटामिन, मिनरल से भरपूर चीजें जैसे गाजर, पालक, ब्रॉकली और खट्टे फल शामिल करें।लगातार लंबे समय तक मोबाइल या लैपटॉप देखने से बचें। बीच-बीच में आंखों को आराम दें। धूप में बाहर निकलते समय युवी (अल्ट्रा वॉयलेट) प्रोटेक्शन वाले सनग्लासेस पहनें। ये आंखों को नुकसान से बचाते हैं। नियमित एक्सरसाइज करें और वेट मेंटेन रखें। डायबिटीज कंट्रोल में रखें। समय-समय पर आई-चेकअप करवाते रहें।सवाल- आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए कौन-सी एक्सरसाइज करनी चाहिए? जवाब- आंखों की एक्सरसाइज करने से आई-मसल्स रिलैक्स होती हैं और तनाव कम होता है। लंबे समय तक स्क्रीन देखने वालों के लिए नियमित ब्रेक और आई एक्सरसाइज फायदेमंद होती है। पामिंग (आंखों पर हथेली रखकर आराम करना) करने से आंखों को आराम मिलता है और थकान कम होती है। ब्लिंकिंग एक्सरसाइज (जल्दी-जल्दी पलकें झपकाना) से आंखों में नमी बनी रहती है और ड्राईनेस कम होती है। आई-फोकस बदलने की एक्सरसाइज से आंखों की फोकस करने की क्षमता बेहतर होती है।हालांकि, एक्सरसाइज से आंखों की रोशनी पूरी तरह नहीं लौटती, लेकिन आई स्ट्रेन और थकान जरूर कम होती है।सवाल- आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए हमारी डाइट कैसी होनी चाहिए? जवाब- आई हेल्थ के लिए विटामिन ए,सी, ई जिंक और ओमेगा-3 फैटी एसिड बेहद महत्वपूर्ण हैं। डिटेल पॉइंटर्स से समझें-विटामिन ए रेटिना को स्वस्थ रखता है। इससे विजन क्लियर होता है। एंटीऑक्सिडेंट आंखों को उम्र से जुड़ी समस्याओं से बचाता है। ल्यूटिन और जीएक्सैंथिन जैसे पोषक तत्व रेटिना को ब्लू लाइट से होने वाले नुकसान से बचाते हैं। डेली डाइट में हरी सब्जियां, रंग-बिरंगे फल, नट्स और हेल्दी फैट शामिल करना फायदेमंद है। संतुलित और पौष्टिक डाइट से आंखों की रोशनी लंबे समय तक अच्छी बनी रह सकती है।सवाल- किन विटामिन्स की कमी से आंखों की रोशनी कमजोर होती है? उन विटामिन्स को फूड में कैसे शामिल करें? जवाब- इसके लिए कई विटामिन जरूरी होते हैं- विटामिन ए की कमी से 'नाइट ब्लाइंडनेस' और 'ड्राई आई' की समस्या हो सकती है। इसे पूरा करने के लिए गाजर, शकरकंद, पालक और कद्दू खाएं। विटामिन सी की कमी से आंखों में ऑक्सिडेटिव डैमेज बढ़ सकता है। इसके लिए डाइट में संतरा, आंवला, नींबू और स्ट्रॉबेरी शामिल करें। विटामिन ई की कमी से रेटिना की सेल्स डैमेज हो सकती हैं। इसके लिए बादाम, सूरजमुखी के बीज और मूंगफली अच्छे सोर्स हैं। जिंक की कमी होने पर रेटिना तक विटामिन ए नहीं पहुंच पाता है। इसके लिए कद्दू के बीज, सभी प्रकार की दालें और मोटे अनाज खाएं। सवाल- क्या आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए सप्लीमेंट्स लेना सही है? जवाब- अगर डाइट संतुलित है, तो आमतौर पर सप्लीमेंट्स की जरूरत नहीं होती है।

समझना होगा कि हम मशीनों पर गुस्सा नहीं कर सकते

'डिंग डॉन्ग'.. दरवाजे बाईं ओर खुलेंगे' क्या ये आवाज और इस घोषणा से आप परिचित हैं? जी हां, ये आम तौर पर मेट्रो ट्रेन में सुनाई देती है। इस

शनिवार को जब बेंगलुरु में 'ग्रीन लाइन' मेट्रो सर्विस के वाजरहल्ली स्टेशन पर मेट्रो रुकी तो बिल्कुल ऐसी ही घोषणा हुई। यात्रियों ने धैर्य से दरवाजे खुलने का इंतजार किया, क्योंकि ट्रेन के पूरी तरह से रुकने के कुछ सेकंड बाद सिस्टम दरवाजे खोलता है। लेकिन किसी अज्ञात तकनीकी खराबी के कारण मेट्रो के कुछ दरवाजे नहीं खुले। ट्रेन चल पड़ी, जैसे हर स्टॉप के बाद चलती है, बिना यह जाने कि पीछे के डिब्बों में कोई तकनीकी खराबी आ गई है। उतरने को बेताब यात्री स्तब्ध रह गए, उन्होंने वहीं किया, जिसमें वो अच्छे हैं- घबरा गए! इसके बाद कुछ यात्रियों ने दिमाग में खुराफाती विचारों के साथ चीखना शुरू कर दिया और भीड़ भी उनके पीछे हो चली। किसी ने नहीं सोचा कि ये तर्कसंगत है भी या नहीं। और बेंगलुरु भी कोई अलग नहीं था। घबराए यात्री तेजी से भाग कर मेट्रो पायलट (मेट्रो ट्रेन के चालक को पायलट कहा जाता है) के केबिन के पीछे वाले लेडीज कोच में पहुंचे और पायलट केबिन का दरवाजा पीटना शुरू किया, जैसे वो किसी ऐसे 'घोड़े बेचके सोने वाले' रूममेट को जगाने की कोशिश कर रहे हैं, जिसे यह पता नहीं कि घर में आग लगी है। धक्कामुक्की और हंगामे से डरे पायलट ने सोचा कि कुछ भयंकर हुआ है और उसने ब्रेक लगा दिए, जिससे ट्रेन एक निर्जन से स्थान पर जाकर रुक गई। जैसे ही उसने सावधानी से अपने केबिन का गेट खोला, उसके सामने गुस्साए यात्री खड़े थे, जो इस बात का जवाब मांग रहे थे कि क्यों उन्हें पिछले स्टेशन पर नहीं उतरने दिया गया। इसके बाद कुछ मिनटों तक तीखी नोकझोंक हुई। और आप जानते हैं कि जब भीड़ एकत्रित होती है तो कोई एक व्यक्ति तर्कसंगत तरीके से बात नहीं कर सकता। पायलट ने यह समझाने की विफल कोशिश की कि उसे पीछे हुई समस्या के बारे में पता नहीं था और जब यात्री उसके केबिन के दरवाजे को पीटने लगे तो उसने ब्रेक लगाए। चूंकि वह ट्रेन को वापस पीछे नहीं ले जा सकता था, इसलिए पायलट ने सभी यात्रियों से अपने-अपने डिब्बों में लौटने के लिए कहा। पायलट ने यात्रा फिर शुरू की और अगले स्टेशन पर ट्रेन रोक दी। वहीं आंदोलनरत यात्री तत्काल इकट्ठा हो गए, पायलट के केबिन की ओर भागे और प्लेटफॉर्म पर खड़े होकर उससे गलती के लिए स्पष्टीकरण मांगने लगे।उनमें से कुछ पिछले स्टेशन पर वापसी के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने के लिए भी कह रहे थे। लोको पायलट ने पूरा मामला स्टेशन कंट्रोलर को रिपोर्ट किया, जिसने आकर स्थिति संभाली और वापसी की यात्रा में यात्रियों को ट्रेन में चढ़ने में यथासंभव सहायता की। भारत में अभी 17 शहरों में 17 मेट्रो रेल सिस्टम संचालित हो रहे हैं, जिनकी कुल परिचालन दूरी 939.18 किमी की है। 2025 के अंत तक 18वीं ऐसी सेवा की शुरुआत के साथ ही कुल परिचालन दूरी 1000 किलोमीटर से अधिक हो जाएगी, जिससे हमारा मेट्रो सिस्टम दुनिया का तीसरा सबसे लंबा सिस्टम बन जाएगा। भारत में अर्बन रेल ट्रांजिट सिस्टम का पहला प्रकार उपनगरीय रेल थी, जो 16 अप्रैल 1853 को तत्कालीन बॉम्बे (आज के मुम्बई) में बनी था।कोई यह भी नहीं भूल सकता कि हमारे पास 1873 में कलकत्ता (आज के कोलकाता) में घोड़ों द्वारा खींची जाने वाली ट्राम सेवा भी थी। आवागमन के मामले में तब से अब तक भारत मशीन और तकनीकी की सहायता से बहुत आगे बढ़ चुका है। विदेशों में ऐसी तकनीकी गड़बड़ियां सामान्य हैं। हाल ही मैंने ऐसी ही एक खराबी न्यूयॉर्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर स्टेशन पर देखी। वहां यात्रियों को जब ये बताया गया कि तकनीकी कारणों से एक सेवा कुछ घंटों के लिए अस्थायी रूप से बाधित रहेगी तो सभी यात्री शांति से स्टेशन के बाहर आ गए। फंडा यह है कि आप मशीनों पर नाराज नहीं हो सकते। तकनीकी और ऊर्जा पर चलने वाली मशीनों की दुनिया में गड़बड़ी तो होगी ही, भले ही बार-बार ना हो। हमें धैर्य विकसित करना होगा और सीखना होगा कि ऐसी स्थितियों पर कैसे प्रतिक्रिया दें। अन्यथा ये दुनिया हम पर हंसेगी।

थोड़ी-बहुत फिक्र भली, पर ज्यादा चिंता किस काम की?

रोज ऑफिस से निकलने के पहले आप मम्मी को मैसेज करती हो- निकल गई। एक दिन रिक्शे में बैठने के बाद पता चलता है कि फोन ऑफ हो गया है। कोई बात नहीं, मम्मी समझ जाएंगी। लेकिन आप घर में घुसे, तब जाकर मम्मी ने चैन की सांस ली। फोन ऑन किया तो देखा- 12 मिस्ड कॉल। अरे, चिंता तो होती है, न!- मम्मी ने कहा, जैसे कि उनकी चिंता प्रकृति की देन हो। जैसे हम सांस लेते हैं, उसी तरह इस देश में हम 24 घंटे किसी न किसी चिंता में डूबे रहते हैं। बच्चों के एग्जाम- चिंता। घर पर मेहमान- चिंता। कामवाली आज लेट- चिंता। अमेरिकी मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि लव लैंग्वेज यानी कि प्यार जताने के पांच तरीके होते हैं। उन्हें क्या पता हमारे पास एक और तरीका है- चिंता। वैसे शायरों ने भी भले सीधे तरीके से इसका जिक्र नहीं किया हो, लेकिन उनके गाने अगर आप ध्यान से सुनें तो समझ जाएंगे- आंखों ही आंखों में इशारा हो गया, बैठे-बैठे जीने का सहारा हो गया। मतलब? मतलब ये कि बीस साल बाद कोई होगा पूछने वाला- तुमने खाना खाया? दवाई ली? बिजली का बिल भरा? वैसे अंग्रेजी में इसे कहते हैं 'नैगिंग' और कई बार आप चिढ़ के जवाब भी दोगे- बस करो। लेकिन अगर कल ये सवाल बंद हो जाएं तो आपको बुरा भी लगेगा। कि किसी को मेरी पड़ी नहीं है, कोई पूछ नहीं रहा।आज ज्यादातर शादियां इसी पूछ-ताछ के सहारे चल रही हैं। चाहे कोई 'आई लव यू' न कह रहा हो, कम से कम इस विशाल दुनिया में मेरे ब्लड प्रेशर की किसी को तो फिक्र है। वैसे कभी-कभी हंसी भी आती है। प्लेन में जैसे ही अनाउन्स होता है- 'आप मोबाइल का इस्तेमाल कर सकते हो'- आस-पास चार फोन बजेंगे। सवाल है- 'पहुंच गए'? अब फोन बजा है, उठाया है, मतलब पहुंच ही गए होंगे। भगवान न करे, कोई हादसा हो जाए, तो सवाल-जवाब का मौका ही नहीं मिलेगाष्ठ अब यहां तक की चिंता तो चलो, एक तरह से ठीक है। मगर मैंने ऑब्जर्व किया है कि हम में से कई लोगों ने अपनी चिंता का दायरा बहुत बढ़ा दिया है। दुबई में बम- चिंता। स्टॉक मार्केट डाउन- चिंता। पॉलिटिक्स में घोटाला- चिंता। इन टॉपिक्स पर चिंता से दुनिया को फर्क ही नहीं पड़ता, लेकिन असर होता है आप पर। सुना होगा आपने 'हॉन्टेड हाउस' के बारे में। जैसे बंगले पर कब्जा करके भूत बेमतलब घूमता है, उसी तरह चिंता। यह एक भूत है, जिसने एक बार आपके दिमाग पर कब्जा कर लिया, तो फिर वो आपको डराता रहेगा। कोई भी सिचुएशन हो, आपको उसमें कुछ नेगेटिव ही दिखाई देगा। मैं यह नहीं कह रही कि आप आंखें मूंद कर बैठिए। दुनिया में जो हो रहा है। उससे वाकिफ होना जरूरी है। लेकिन चिंता के बजाय चिंतन कीजिए। दोनों के बीच बस एक फर्क है- चिंतन करने वाला इंसान डरता नहीं। हालात आपके कंट्रोल में नहीं हैं, लेकिन हालात के प्रति आपका रिस्पॉन्स क्या होगा, यह आपके हाथ में है। आजकल एग्जाम के पहले कुछ बच्चे बीमार पड़ जाते हैं, उल्टियां आने लगती हैं। डॉक्टर मानते हैं इसकी वजह है एंग्जायटी यानी कि घबराहट- जो है चिंता का बड़ा भाई। अजीब बात यह है कि ज्यादातर वो बच्चे घबराते हैं जिन्होंने पढ़ाई करी है, अच्छी तरह से। उनका डर यह है कि नंबर थोड़े कम आए तो क्या होगा? उन्होंने अपने मन में एक लंबी कहानी लिख डाली है कि मेरा एडमिशन सही जगह नहीं होगा, मेरी लाइफ बर्बाद हो जाएगी। भाई, जीवन में सुख और सफलता पाने के एक नहीं, अनेक रास्ते हैं। लेकिन घबराए हुए इंसान को उन रास्तों पर चलने की हिम्मत न होगी। इसलिए पैरेंट्स को मेरी सलाह है, बच्चों को निडरता से जीना सिखाइए। थोड़ी-बहुत चिंता ठीक है, लेकिन अगर वे आपको हर वक्त चिंतित देखेंगे, तो वे भी उस भूत को अपने मन में बसा लेंगे। जो ज्यादा चिंता करता है, कुछ भी करने से डरता है। सोच ही सोच में फंस जाता है, सुख में भी दुःख ही पाता है। जो होना है सो होकर रहेगा, आपकी चिंता से कुछ न बदलेगा। चिंता से चिंतन का सफर तय कीजिए, जीवन अपना आनंदमय कीजिए। हम में से कई लोगों ने अपनी चिंता का दायरा बहुत बढ़ा दिया है। दुबई में बम- चिंता। स्टॉक मार्केट डाउन- चिंता। पॉलिटिक्स में घोटाला- चिंता। इन सब पर चिंता से दुनिया को फर्क ही नहीं पड़ता, लेकिन असर होता है आप पर। (ये लेखिका के अपने विचार हैं रश्मि बंसल)

परमात्मा पर जितना भरोसा, संसार से उतने ही कम धोखे

मनुष्य को कर्म नहीं भटकाते,

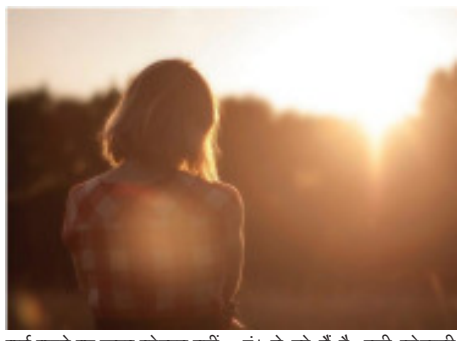

कर्म करने का दबाव परेशान नहीं करता, उसे कर्त्ताभाव परेशान करता है। कर्म करने और कर्त्ताभाव में अंतर है। कर्त्ताभाव का अर्थ है मैं यह काम कर रहा हूं। ये जो मैं है, यही परेशानी का कारण है। ये सही है कि हम ही कर रहे हैं, पर कर्त्ताभाव के अभाव का अर्थ है कोई एक परम शक्ति है, जो हम से करा रही है, तो हम कर रहे हैं। आजकल हमारे जीवन में सहज ही डिजिटल मीडिया के कारण कई वैद्य-डॉक्टरों की भरमार हो गई है। स्वास्थ्य को लेकर जानकारियों की झड़ी लगी हुई है और हम सब भी कुछ न कुछ करने के लिए इस सबमें उतर जाते हैं। झूठे आश्वासन, अतार्किक ?चिकित्सा, अंधविश्वास से भरी धार्मिक कथाओं, ?फिजूल के किस्सों आदि के लपेटे में न आएं। ये अप्रत्याशित समाधान जो सोशल मीडिया से पेश किए जा रहे हैं, इनके प्रति अतिरिक्त सावधान रहें। परमात्मा पर जितना भरोसा होगा, उतनी सावधानी जीवन में आ जाएगी और संसार से उतने ही धोखे कम मिलेंगे।

बच्चों के लिए ऐसे खिलौने चुनें, जो तुरंत फेंक न दिए जाएं

मुझे पता है, आप क्या सोच रहे हैं? दरअसल, ये कहना आसान है और करना मुश्किल। खासकर तब जब कोई व्यक्ति ट्रेन की बोगी में कई आकर्षित करती थीं।ज्यादातर दूसरा वाला कारण अधिक सामान्य है। अब यह बॉल आपके बैग में रखी हुई एसी कार से घर वापसी की यात्रा

सारी गेंदें और गुड़िया लटकाए घूम रहा है और बार-बार आकर कह रहा है कि कौन मुन्ना रो रहा है? मैं उसे दो सेकंड में खुश कर दूंगा और वह एक रबर की पारदर्शी गेंद रेलवे बर्थ के बीच फेंकता है और गेंद अचानक कई रंगों में चमकने लगती है। और बच्चा कहता है कि 'मुझे वो बॉल चाहिए।' बच्चे को समझाने की कोशिश करें कि यह 48 घंटे से ज्यादा काम नहीं करेगी तो सेल्समैन आप पर टूट पड़ता है कि सर, मैं गारंटी देता हूं कि मुन्ना आपकी वापसी की यात्रा में भी इसी से खेलेगा।मैं हमेशा इसी ट्रेन में रहता हूं। अगली गर्मियों में भी यदि ये गेंद काम नहीं करे आप आकर इसे वापस कर सकते हो। मैं बिना कोई सवाल पूछे इसे बदल दूंगा।' इस बीच आप देखेंगे कि बच्चा पहले ही बॉल से खेलने लग गया है और उसे दूसरी बर्थों पर लुढ़काने लगा है।आपके पास इसे खरीदने के अलावा कोई चारा नहीं रहता। और ऐसी खरीदारी कर चुके आपमें से अधिकांश लोग मुझसे सहमत होंगे कि ऐसी गेंदें एक यात्रा में भी नहीं चल पाती। या तो बच्चा इसे खो देता है या फिर गेंद की वो चमकीली लाइटें बंद हो जाती है, जो फर्श पर मारने के बाद बच्चे को कर रही है। और घर पर ये बॉल या तो भुला दी गई है या किसी कोने में अव्यवस्थित सी पड़ी है और कुछ समय बाद कूड़ेदान में चली जाती है!अगर आपके घर में बच्चे हैं तो मुझसे यह मत कहिएगा कि आपके घर में ऐसा कुछ नहीं हुआ। यही कारण है कि मैंने इस हैडलाइन के साथ शुरूआत की थी कि बच्चों के लिए ऐसे खिलौने चुनें, जो तुरंत फेंक न दिए जाएं। उपहार विशेषज्ञ इस बात पर जोर देते हैं कि कैसे उपयोगिता, बच्चे के विकास और खुशी को प्राथमिकता दी जाए। वे ऐसे गिफ्ट की सलाह देते हैं, जो खेल और रचनात्मकता को बढ़ावा दे और प्लास्टिक से बचने की राय देते हैं। यहां उम्र के अनुसार कुछ सुझाव पेश हैं।4 वर्ष उम्र वालों के लिएः हिसार में एक स्कूल चलाने वाले मेरे दोस्त हरिपाल पिलानिया ने मुझे लकड़ी के क्यूब्स दिए, जिनसे बच्चे रूबिक क्यूब बना सकते हैं। यकीन मानें, यह गेम आज भी मेरे घर पर 10 साल से है और जो बच्चे मेरे घर आते हैं, बिना थके इससे खेले हैं, चाहे फिर वह 10 साल के हों।6 वर्ष उम्र वालों के लिएः कैट एंड रैट थीम वाले कार्ड गेम। मैंने इसे अमेरिका से खरीदा था। बच्चे ताश खेलने वाले बड़ों की नकल पसंद करते हैं। अकेली बिल्ली किसी चूहे पर भारी पड़ जाए या चूहों का एक समूह बिल्ली को घेर ले, यह वाकई मजेदार खेल है। यहां तक कि हमारी उम्र के लोग भी इसे खेल सकते हैं। मुझे बताओ कि ' रैट-ए-टैट कैट' जैसे गेम खेलने का किसका मन नहीं करेगा?8 वर्ष उम्र वालों के लिएः कई सारे ऐसे कलरफुल जर्नल्स हैं, जो प्रश्नों से भरे होते हैं, उनमें इलस्ट्रेशन और ड्रॉइंग के लिए संकेत होते हैं- उदाहरण के लिए 'यदि मेरे पास एक रोबोट होता तो मैं इसे प्रोग्राम करने के लिए कहता.(ऐसी चीजें मेरे दिमाग में है)10 वर्ष उम्र वालों के लिएः नए बेकर्स और उत्सुक कुक्स के लिए शेफ इन ट्रेनिंग एक गेम है। इसमें मिनी व्हिस्क, स्पेचुला, नापने वाला कप और कई सारी चीजें होती हैं। यह उन्हें अंडे फेंटने और सलाद सजाने जैसे कुछ काम सीखने में मदद करता है।

फंडा यह है कि अलग-अलग उम्र के लिए ऐसा सही उपहार चुनना, जिसे वे संभाल कर रखें और ये आसान काम नहीं है। सबसे पहले हमें खुद को रचनात्मक होना पड़ेगा और उससे अधिक उपयोगिता के बारे में सोचना होगा कि वह गिफ्ट उसे बोर ना करे। यदि आपके पास कुछ सुझाव हैं, तो शेयर करें, ताकि मैं सभी पाठकों को इस बारे में बता सकूं।

अर्थव्यवस्था में सोने का और बेहतर उपयोग कैसे करें?

आज भारतीय परिवारों के पास दुनिया के दस सबसे बड़े केंद्रीय बैंकों- अमेरिका, जर्मनी, रूस, फ्रांस, चीन, इटली, स्विट्जरलैंड, जापान, तुर्किये और खुद भारत के स्वर्ण भंडारों से भी अधिक सोना है! भारतीय घरों में लगभग 25,000 टन

सोना रखा हुआ है। यह अमेरिकी सरकार के स्वर्ण भंडार (8,133 टन) का तीन गुना और भारतीय रिजर्व बैंक (879 टन) के स्वर्ण भंडार का लगभग 30 गुना है।आज की कीमतों के हिसाब से भारत के घरेलू सोने की कीमत कितनी होगी? सोने के मूल्य लंबे समय से बढ़ रहे हैं, लेकिन हाल के वर्षों में भू-राजनीतिक उथल-पुथल के कारण इनमें उछाल आया है। लगभग एक लाख रुपए (1,200 डॉलर) प्रति तोला (10 ग्राम) की वर्तमान कीमत के हिसाब से भारतीय घरों में रखे 25,000 टन सोने का मूल्य लगभग 3 ट्रिलियन डॉलर ठहरता है। यह भारत की 2025 की जीडीपी 4.19 ट्रिलियन डॉलर का लगभग 75 प्रतिशत है।अनुमान है कि इनमें भी भारतीय महिलाओं के पास ही 24,000 टन से ज्यादा सोना है। यह अमेरिका सहित जर्मनी (3,300 टन), इटली (2,450 टन), फ्रांस (2,400 टन) और रूस (1,900 टन) के केंद्रीय बैंकों के सोने के भंडार से ज्यादा है। ऑक्सफोर्ड गोल्ड ग्रुप की एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय महिलाओं के पास दुनिया के कुल सोने का 11 प्रतिशत हिस्सा है।सोने से भारतीयों के इस असीम लगाव की वजह क्या है? इसे एक सुरक्षित और स्थिर निवेश माना जाता है। पिछले 25 वर्षों में ही सोने की कीमत 4,000 रुपए प्रति 10 ग्राम से बढ़कर लगभग 1,00,000 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है- यानी 25 वर्षों में 25 गुना वृद्धि। चक्रवृद्धि आधार पर तो सोने का मूल्य प्रति वर्ष लगभग 14 प्रतिशत बढ़ा है और यह लगभग हर पांच साल में दोगुना हो रहा है।इसकी तुलना में बीएसई सेंसेक्स 2000 से 2025 के बीच 6,000 से बढ़कर 80,000 से अधिक अंकों तक पहुंचा है- यानी 25 वर्षों में लगभग 14 गुना वृद्धि। यह 12 प्रतिशत की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) बताता है।लंबी अवधि में सोना इक्विटी से भी बेहतर प्रदर्शन करता है। स्टॉक के विपरीत, सोने की कीमतें कम अस्थिर होती हैं। दुनिया की सबसे रूढ़िवादी निवेशकों में से एक भारतीय महिलाओं को यह बात अच्छी तरह से पता है।सोने ने भारतीय परिवारों को शादियों के लिए पैसे जुटाने और दिवालिया होने से बचाने में मदद की है। लेकिन वित्तीय सुरक्षा के लिए रखे गए एक डेड-एसेट के बजाय भारत की अर्थव्यवस्था में सोने का अधिक प्रोडक्टिव उपयोग कैसे किया जा सकता है?आरबीआई की स्वर्ण निवेश योजना को सीमित सफलता मिली है। सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड का उद्देश्य सोना रखने का विकल्प प्रदान करना है। जैसा कि आरबीआई कहता है, सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड एक बेहतर विकल्प प्रदान करता है। इसमें स्टोरेज का जोखिम और लागत समाप्त हो जाती है।

निवेशकों को मैच्योरिटी के समय सोने के बाजार मूल्य और आवधिक ब्याज का आश्वासन दिया जाता है। आभूषण के रूप में सोने के उपयोग के मामले में भी सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड समस्याओं से मुक्त है। लेकिन भारतीयों में भौतिक सोने का आकर्षण इतना प्रबल है कि सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड पूरी तरह से लोकप्रिय नहीं हो पाया है।भारत ने 2024-25 में 58.01 अरब डॉलर मूल्य के सोने का आयात किया। तस्करी को कम करने के उद्देश्य से आयात शुल्क में 15 से 6 प्रतिशत की कटौती ने 2023-24 में सोने के आयात को 27 प्रतिशत बढ़ाने में मदद की।2024-25 में भारत का व्यापारिक और सेवा व्यापार में कुल घाटा 94.26 अरब डॉलर था। इसलिए 2024-25 में भारत के आयात में 58.01 अरब डॉलर का सोना भारत के व्यापार घाटे का एक प्रमुख घटक है। वैसे भारत के आयात बिल में सबसे बड़ा घटक कच्चा तेल है, जिसका 2024-25 में 133 अरब डॉलर का योगदान था। सोने का आयात कच्चे तेल के आयात का लगभग आधा है और इसे नियंत्रित करना आसान होना चाहिए।

लेकिन भारतीय परिवारों की हर साल अधिक से अधिक सोना खरीदने की अतृप्त भूख ने भारत के व्यापार घाटे को बढ़ा दिया है। सोने के प्रति आकर्षण आर्थिक के साथ ही सांस्कृतिक और भावनात्मक भी है।

चूंकि भारतीय महिलाओं के पास 3 ट्रिलियन डॉलर मूल्य का 24,000 टन से अधिक सोना है और पिछले वित्तीय वर्ष में भी उन्होंने 58 अरब डॉलर मूल्य का अनुमानित 600 टन सोना खरीदा है, इसलिए सोने की कीमतों में उछाल बने रहने की संभावना है।सोने का आयात कच्चे तेल के आयात का लगभग आधा है और इसे नियंत्रित करना आसान होना चाहिए।

लेकिन भारतीय परिवारों की हर साल अधिक से अधिक सोना खरीदने की अतृप्त भूख ने भारत के व्यापार घाटे को बढ़ा दिया है। (ये लेखक के अपने विचार हैं।)

'चुपचाप भुगतने दो' की कला में आलोचना झेलने का तरीका छिपा है!

सैकड़ों सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से भरी दुनिया में किसी को भी अपनी राय व्यक्त करने के लिए दरवाजे हमेशा खुले हुए हैं, लेकिन हर विषय पर अपनी विशेष टिप्पणी देना तो जैसे कई लोगों का शगल बनता जा रहा है। चाहे उन्हें उस क्षेत्र का ज्ञान हो या न हो। वे हर चीज पर टीका-टिप्पणी करते हैं और किसी भी बात को तिल का ताड़ बना सकते हैं। अगर आप भी उन लोगों में से हैं जो

अपने अच्छे काम के बावजूद भी लोगों की शिकायतों की बौछार से परेशान हो जाते हैं, तो यह कहानी आपके लिए है।जयपुर में एक महिला हैं, जो एक पेइंग गेस्ट हाउस चलाती हैं। उनका एक पुश्तैनी घर है, जिसमें 10-12 बड़े कमरे हैं। उन्होंने हर कमरे में 3 बिस्तर लगा रखे हैं। उनके पेइंग गेस्ट हाउस में भोजन भी मिलता है। उन्हें खाना खिलाने का बहुत शौक है। वे बड़े मन से खाना बनाती और खिलाती हैं। उनके यहां इतना शानदार भोजन मिलता है कि कोई बढ़िया से बढ़िया शेफ भी वैसा नहीं बना सकता। उनके पेइंग गेस्ट हाउस में ज़्यादातर नौकरी करने वाले लोग और छात्र रहते हैं। सुबह का नाश्ता और रात का भोजन तो सभी लोग करते ही हैं। और जिसे ज़रूरत होती है, वे दोपहर का भोजन पैक करके भी देती हैं। लेकिन उनके यहां एक बड़ा अजीब नियम है। हर महीने में सिर्फ 28 दिन ही भोजन बनता है। बाकी 2 या 3 दिन सबको होटल में खाना पड़ता है। ऐसा नहीं है कि आप पेइंग गेस्ट हाउस की रसोई में खुद कुछ बना लें। रसोई उन 2-3 दिनों के लिए पूरी तरह से बंद रहती है। हर महीने के आखिरी तीन दिन मेस बंद रहता है। सभी को होटल में खाना पड़ता है, और चाय भी बाहर जाकर पीनी होती है।जब किसी ने पूछा कि यह क्या अजीब नियम है? आपकी रसोई केवल 28 दिन ही क्यों चलती है? वे बोलीं, 'शुरू में यह नियम नहीं था। मैं इसी तरह, इतने ही प्यार से खाना बनाती और खिलाती थी। पर उनकी शिकायतें कभी खत्म ही नहीं होती थीं। कभी यह कमी है, कभी वह कमी है- हमेशा असंतुष्ट और आलोचना करते रहते थे। इसलिए तंग आकर मैंने यह 28 दिन वाला नियम बना दिया। 28 दिन प्यार से खिलाओ और बाकी 2-3 दिन बोल दो कि जाओ, बाहर खाओ। उन 3 दिनों में, उन्हें नानी याद आ जाती है। उन्हें आटे-दाल का भाव पता चल जाता है। उन्हें पता चल जाता है कि बाहर कितना महंगा और कितना घटिया खाना मिलता है। दो घूंट चाय भी 15-20 रुपये की मिलती है। उन्हें मेरी कीमत ही इन 3 दिनों में पता चलती है। इसलिए बाकी 28 दिन वे बहुत कायदे में रहते हैं।'यह वाकिया मुझे तब आया, जब मुझे शनिवार की सुबह दैनिक भास्कर के पाठक 70 वर्षीय शारदा और उनके 75 वर्षीय पति सीताराम अग्रवाल का ईमेल मिला। वे रायपुर के तेलीबांधा से हैं। उन्होंने लिखा कि कैसे कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी के समिति सदस्यों की, वहां के रहवासी बिना वजह आलोचना करते हैं। और रहवासी, समिति सदस्यों से ऐसे पेश आते हैं, मानो वे सैलरी पर रखे हुए कोई कर्मचारी हों, जबकि वे लोग तो स्वेच्छा से अपनी सेवाएं दे रहे हैं।उन्होंने दुखी होकर बताया कि अमूमन सभी हाउसिंग सोसायटी के यही हाल हैं, जहां अगर कॉलेनी में किसी भी सुविधा में कमी या उसका अभाव दिखता है, तो रहवासी आपे से बाहर हो जाते हैं। सीताराम जी ने मेरे साथ फोन पर बातचीत में बताया कि इससे असंतोष बढ़ता है और अच्छे दिल से काम करने वाले वॉलेंटियर भी सामाजिक कामों से खुद को दूर कर लेते हैं।फंडा यह है कि अगर आप चाहते हैं कि ग्राहक आपकी निष्ठा, प्रतिबद्धता और गुणवत्ता का मूल्य समझें, तो उनकी बात पर कोई प्रतिक्रिया न दें, बस अपनी अनुपस्थिति से उन्हें आपकी प्रतिबद्धता का एहसास कराएं। जब वे चुपचाप भुगतेंगे और गुणवत्तापूर्ण सेवाओं की कमी का अनुभव करेंगे, तभी वे आपका सम्मान करेंगे।

अरबपतियों की संख्या बढ़ना खतरे की घंटी भी हो सकती है

हर साल मैं यह देखने के लिए फोर्ब्स की फेहरिस्त का विश्लेषण करता हूं कि किन देशों में अरबपतियों की सम्पत्ति उनके देश की जीडीपी के ?हिस्से के रूप में बढ़ रही है। या किन देशों में सम्पत्ति अरबपतियों के पारिवारिक साम्राज्य में केंद्रित होकर रह जा रही है या उन बुरे उद्योगों में तब्दील हो रही है, जो उत्पादकता से अधिक भ्रष्टाचार के लिए जाने जाते हैं। जिन देशों में इस तरह के मामले सबसे ज्यादा मिलते हैं, वहां पूंजीवाद-विरोधी विद्रोहों का खतरा भी सबसे अधिक रहता है। इस साल चेतावनियों के संकेत स्वीडन की ओर इशारा कर रहे हैं। भले ही कई प्रगतिशील लोग स्वीडन को एक समाजवादी-स्वर्ग के तौर पर देखते हों, लेकिन वहां अरबपतियों की संपत्ति जीडीपी के 31प्रतिशत तक हो गई है। यह 20 बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सर्वाधिक है। आज स्वीडन में 45 अरबपति हैं, जो अमेरिका से प्रति व्यक्ति पैमाने पर डेढ़ गुना अधिक हैं। अब तक के सबसे धनी अमेरिकी जॉन डी. रॉकफेलर हैं, जिनकी सम्पत्ति 1910 के आसपास जीडीपी की 1.5प्रतिशत से अधिक थी। आज किसी अमेरिकी के पास इतनी दौलत नहीं। आज के रॉकफेलर स्वीडन में हैं, जिनमें से सात की सम्पत्ति जीडीपी के हिस्से में रॉकफेलर से अधिक है। एक कार्यशील अर्थव्यवस्था से अरबपतियों की संतुलित श्रेणी निर्मित होती है, जिसमें रियल एस्टेट और कमोडिटी जैसे सेक्टरों की 'बैड वेल्थ' की तुलना में टेक और मैन्युफैक्चरिंग जैसे उद्योगों की 'गुड वेल्थ' अधिक होती है। ऐसा नहीं है कि रियल एस्टेट और कमोडिटी सेक्टर खराब हैं। लेकिन कार या सॉफ्टवेयर जैसे सेक्टरों की तुलना में उत्पादकता में उनका कम योगदान होता है। लेकिन स्वीडन में आज 'गुड बिलियनेअर्स' की संख्या 'बैड बिलियनेअर्स' की तुलना में आधी रह गई है। स्वीडन भले ही टेक-उद्यमियों के लिए बेहतर स्थान के तौर पर प्रसिद्ध हो, लेकिन इनमें से तीन ही फोर्ब्स की सूची में जगह पा सके हैं। अरबपतियों की सम्पत्ति में 'गुड वेल्थ' का हिस्सा महज 12प्रतिशत है, जो शीर्ष 10 विकसित देशों की सूची में तीसरा सबसे निम्नतम है। स्वीडन ने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद अनियंत्रित वेलफेयर-स्टेटिज्म के अपने प्रयोग की विफलता के बाद वेल्थ-क्रिएशन को प्रोत्साहित करना शुरू किया। भारी करों के चलते वहां की मशहूर हस्तियां और उद्योगपति पलायन करने लगे। 1990 के दशक की शुरुआत में आए वित्तीय संकटों ने स्वीडन को समाजवाद के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर पुनर्विचार करने के लिए मजबूर किया। उसने उच्च आय करों से भुगतान की जाने वाली मुफ्त शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा को समाप्त नहीं किया। लेकिन धन, विरासत, निगमों और अचल संपत्ति पर करों को समाप्त या कम करते हुए कल्याणकारी राज्य का आकार छोटा कर दिया।2000 के दशक का मध्य आते-आते वहां के सुपर-रिच पलायन नहीं कर रहे थे। उलटे वे हावी हो गए थे। स्वीडन के अरबपतियों की लगभग 70प्रतिशत संपत्ति विरासत (इनहेरिटेंस) से आती है, जो फ्रांस और जर्मनी के बाद तीसरी सबसे अधिक है। स्वीडन हाल के वर्षों में अरबपतियों की संख्या में उछाल देखने वाला एकमात्र बड़ा कल्याणकारी राज्य नहीं है। फ्रांस में भी ऐसा हुआ है। लेकिन दोनों में विशेष असंतुलन है। स्वीडन में विकृत कर और ईजी-मनी (आसानी से मिलने वाला कर्ज) है। वह वेतन की तुलना में पूंजी पर बहुत कम कर लगाता है, और कभी-कभी पूंजी पर प्रतिगामी कर लगाता है। स्वीडन ने ब्याज दरों को यूरोपीय औसत से भी नीचे रखा है। कम दरों से संपत्ति की कीमतें बढ़ती हैं, जबकि अमीरों के लिए अधिक लाभ कमाने के लिए पैसे उधार लेना आसान हो जाता है।

नीतीश कुमार का एमएलसी पद से इस्तीफा,मंत्री बोले- वे अब राज्यसभा सदस्य हैं,नितिन नवीन का भी एमएलसी पद से इस्तीफा

पटना। बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने सोमवार को बिहार विधान परिषद की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उनका इस्तीफा विजय चौधरी और एमएलसी संजय गांधी लेकर विधान परिषद पहुंचे। 29 शब्दों में मुख्यमंत्री ने अपना त्याग पत्र भेजा है। मंत्री विजय चौधरी ने कहा, मुख्यमंत्री जी राज्यसभा के सदस्य निर्वाचित हो चुके हैं। ये तो संवैधानिक प्रक्रिया है। आज उन्हें इस्तीफा देना था। उनका त्यागपत्र एमएलसी संजय गांधी ने विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह सौंप दिया है। इधर, बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का इस्तीफा बिहार बीजेपी के अध्यक्ष संजय सरावगी ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार को सौंप दिया है। नितिन नवीन ने कल असम जाने से पहले अपना इस्तीफा प्रदेश अध्यक्ष को सौंपा था। मुख्य बातें -सुबह 9 बजे से सीएम हाउस में हलचल रही। ललन सिंह, अशोक चौधरी और संजय झा, बिजेंद्र यादव मुख्यमंत्री से मिले। करीब 10.30 बजे एमएलसी संजय गांधी नीतीश का इस्तीफा लेकर विधानसभा पहुंचे। संजय गांधी ने विधान परिषद के सभापति अवधेश नारायण सिंह को इस्तीफा सौंपा। सभापति अवधेश नारायण सिंह ने कहा, नीतीश कुमार का इस्तीफा मंजूर कर लिया गया है। संजय सरावगी

ने नितिन नवीन का इस्तीफा विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार को सौंपा। नितिन नवीन ने विधायक पद से अपना इस्तीफा कल यानी रविवार को ही संजय सरावगी को दे दिया था।अब आगे क्या हो सकता है। 14 अप्रैल तक खरमास है। खरमास के बाद सीएम नीतीश इस्तीफा दे सकते हैं। चर्चा है कि नीतीश के सीएम पद से इस्तीफा देने के बाद बीजेपी बिहार में अपना मुख्यमंत्री बना सकती है। एक ऑप्शन यह भी है कि नीतीश कुमार संवैधानिक नियम के मुताबिक 6 महीने तक बिहार के मुख्यमंत्री बने रह सकते हैं.मां के लिए नितिन नवीन ने किया भावुक पोस्ट-इस्तीफे के बीच बीजेपी अध्यक्ष ने मां को लेकर एक भावुक पोस्ट किया। सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, 'मां की परछाई तो नहीं है, पर मां का एहसास आज भी उसी तरह जीवंत है। पिछले 5 सालों में कई मुकाम और प्रतिष्ठा मिली, पर उन सब के बीच में कुछ खालीपन का एहसास हमेशा दिल को कचोटता भी है। मेरे मंत्री बनने के कुछ दिन बाद मां हम सब को छोड़कर चली गई, लगता है जैसे वो उसी दिन के इंतजार में थी।मुझे आशीर्वाद दिया फिर अपनी अंतिम यात्रा पर चली गईं। मां के होने और न होने का अंतर शायद वही लोग समझ सकते हैं जिन्होंने मां को खोया हो। मित्रों, जब तक मां है उसको पूरा सम्मान और समय दो, दुनिया की सबसे कीमती चीज मां है। जब तक वो है, उसको हमेशा खुश रखो और पूरा समय दो, क्योंकि जो उसने दिया है वो तुम्हें कोई दे ही नहीं सकता। मां तुम्हारे अंदर का विश्वास है, मां हर खुशी है, मां तुम्हारी ऊर्जा है जिससे तुम दुनिया से लड़ते हो। मां के श्री चरणों को शत-शत बार नमन।' प्रेम कुमार बोले- नीतीश कुमार बने रह सकते सीएम- बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने साफ किया है कि अगर नीतीश कुमार चाहें तो वे अगले 6 महीनों तक मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बने रह सकते हैं। मुख्यमंत्री नीतीश 16 मार्च को राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए थे। उनके साथ एनडीए के चार अन्य सदस्य भी चुने गए थे, जिनमें बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन भी शामिल हैं। संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार, यदि कोई सदस्य दूसरे सदन के लिए चुना जाता है, तो उसे 14 दिनों के भीतर दोनों सदनों में से किसी एक से इस्तीफा देना जरूरी होता है।

बंगाल में 5फीसदी वोट बढ़े, तो बीजेपी नंबर-1 बनेगी,मुस्लिम एकजुट हुए, तो असम फिसल जाएगा
5 राज्यों में बीजेपी का दांव पर क्या लगा

कोलकाता। अगर पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी के 5फीसदी वोटर खिसके, तो बीजेपी नंबर-1 पार्टी बन सकती है। लेकिन अगर असम के 34फीसदी मुस्लिम एकजुट हो गए, तो हिमंत बिस्व सरमा की सरकार का लौटना मुश्किल हो जाएगा। 2026 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी सरकार बनाने के सबसे करीब है। पश्चिम बंगाल में मुकाबला दो पार्टियों के बीच है। अगर बीजेपी ने टीएमसी का 5फीसदी वोट भी अपने पाले में कर लिया, तो वह नंबर-1 बन सकती है।2021 के चुनाव में बीजेपी ने 38 सीटें 5फीसदी के मार्जिन से और 75 सीटें 10फीसदी के मार्जिन से हारी थीं। ऐसे में बीजेपी इन्हीं सीटों पर टारगेट करेगी।अगर बीजेपी ने टीएमसी के 5फीसदी वोट खींच लिए तो उसकी कुल सीटें 75 प्लस 77 यानी करीब 152 हो जाएंगी और इसी के साथ नंबर-1 पार्टी बन जाएगी। इलेक्शन एनालिस्ट अमिताभ तिवारी मानते हैं कि पश्चिम बंगाल में बीजेपी ममता बनर्जी को चुनौती दे सकती हैं। एंटी-इनकम्बेंसी, बेरोजगारी और स्थानीय असंतोष से ममता की टीएमसी के लिए मुकाबला और कठिन बन सकता है। 2015 में कांग्रेस के पॉपुलर लीडर हिमंता बिस्व सरमा ने बीजेपी जॉइन की। अगले साल हुए असम विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट और असम गण परिषद से गठबंधन किया। नतीजे आए तो एनडीए को 126 में से 86 सीटें मिलीं। बीजेपी ने अकेले 60 सीटें जीतीं। पहली बार नॉर्थ-ईस्ट के किसी राज्य में बीजेपी की सरकार बनी। वरिष्ठता के हिसाब से सर्बानंद सोनोवाल मुख्यमंत्री बने। बीजेपी ने नॉर्थ-ईस्ट में पैर जमाने और बाहरी पार्टी का टैग हटाने के लिए मई 2016 में रीजनल पार्टियों के साथ नया गठबंधन 'नॉर्थ-ईस्ट डेमोक्रेटिक अलायंस' यानी एनईडीए बनाया। हिमंता इसके संयोजक बने। 2021 में बीजेपी को लगातार दूसरी बार बहुमत मिला। इस बार हिमंता सीएम बने। आज हिमंता नॉर्थ-ईस्ट में बीजेपी का सबसे बड़ा चेहरा हैं और पार्टी आलाकमान के नजदीकी माने जाते हैं। 2026 के चुनाव में बीजेपी हिमंता के चेहरे पर हैट्रिक की तैयारी में है। यहां हार का मतलब होगा- नॉर्थ-ईस्ट में बीजेपी की पकड़ ढीली पड़ना। क्योंकि असम ही नॉर्थ-ईस्ट का प्रवेश द्वार और सबसे बड़ा राज्य है। यहीं बीजेपी सबसे ज्यादा मजबूत है। 2011 की जनगणना के मुताबिक असम में 34फीसदी मुस्लिम हैं। अगर मुस्लिमों का वोट कांग्रेस और बदरुद्दीन अजमल की एआईयूडीएफ की पार्टी में बंट गया, तो इससे बीजेपी को फायदा होगा। लेकिन अगर ये वोटर्स एकजुट होकर कांग्रेस के साथ चले गए तो मुकाबला कड़ा हो जाएगा। इसके लिए बीजेपी बांग्लादेश घुसपैठ का मुद्दा उठा रही है। हिमंता ने भी एग्रेसिव हिंदू लीडर की छवि बनाई है।तमिलनाडु की राजनीति दशकों से दो द्रविड़ ध्रुवों- डीएमके और एआईएडीएमके के इर्द-गिर्द घूमती रही है। 'हिंदी भाषी' और 'उत्तर भारतीय पार्टी' की छवि के कारण बीजेपी की राह हमेशा कठिन रही। बीजेपी ने 2001 में डीएमके के साथ चुनाव लड़ा, तो 4 सीटें जीतीं। लेकिन सरकार एआईएडीएमके की जे. जयललिता ने बनाई।

कुछ साल बाद बीजेपी और एआईएडीएमके का गठजोड़ हुआ। इसके चलते 2021 में बीजेपी को फिर से 4 सीटें मिलीं, लेकिन सत्ता डीएमके के एमके स्टालिन ने संभाली। चुनाव के बाद बीजेपी ने पूर्व आईपीएस अधिकारी के. अन्नामलाई को प्रदेश अध्यक्ष बनाया। उन्होंने एग्रेसिव स्ट्रैटजी अपनाई। कुछ समय बाद बीजेपी और एआईएडीएमके अलग हो गए। वहीं अन्नामलाई ने 'एन मन, एन मक्कल' यानी 'मेरी भूमि, मेरे लोग' पदयात्रा से हर जिले में बीजेपी का झंडा पहुंचाया। द्रविण पार्टियों को भ्रष्टाचार और परिवारवाद के मुद्दे पर घेरा। 2024 का लोकसभा चुनाव बीजेपी ने छोटे क्षेत्रीय दलों से अलायंस किया और 19 सीटों पर चुनाव लड़ा, लेकिन खाता तक नहीं खुला। अन्नामलाई खुद कोयंबटूर की सीट हार गए। हालांकि बीजेपी और छोटे क्षेत्रीय दलों से गठबंधन किया है। बीजेपी 27 और एआईएडीएमके 178 सीटों पर चुनाव लड़ रही है।

बीजेपी का लक्ष्य केवल सीटें जीतना नहीं, बल्कि खुद को पॉलिटिकल ऑप्शन के तौर पर पेश करना है। बीजेपी द्रविण पार्टियों से नाराज वोटर्स को साधना चाहती है। प्रोफेसर और इलेक्शन एनालिस्ट संजय कुमार मानते हैं कि बीजेपी ने धीरे-धीरे उन राज्यों में जड़े जमाई हैं, जहां उसकी मौजूदगी पहले काफी कम थी। खासकर उन राज्यों में जहां क्षेत्रीय पार्टियां हावी हैं। अगर तमिलनाडु में अच्छी साझेदारी हुई तो बीजेपी अपना परफॉर्मेंस सुधार सकती है और मजबूत हो सकती है।केरलम को बीजेपी के लिए 'फाइनल फ्रंट' माना जाता है। क्योंकि दशकों से बीजेपी और संघ यहां जमीन तैयार कर रहे हैं, लेकिन चुनावी सफलता से कोसों दूर हैं। बीते कुछ दशकों में सत्ता की बागडोर या तो सीपीआईएम के लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट ने संभाली या फिर कांग्रेस के यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट ने।

2016 के चुनाव में बीजेपी की बोहनी हुई। तिरुवनंतपुरम की नेमोम विधानसभा सीट जीती। दशकों से संघ-बीजेपी के लिए जमीन बना रहे 86 साल के ओ. राजगोपाल ने यहां कमल खिलाया। 2021 में बीजेपी अपनी इस इकलौती सीट को बचा नहीं पाई और फिर से शून्य पर पहुंच गई। हालांकि पलक्कड़ सीट बीजेपी जीतते-जीतते रह गई। यहां मेट्रो मैन ई. श्रीधरन करीब 4 हजार वोट से हार गए। 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी की फिर किस्मत खुली। मलयालम सुपरस्टार सुरेश गोपी ने त्रिशूर सीट पर कमल खिलाया। सुरेश केरलम से बीजेपी के पहले और इकलौते सांसद हैं। वहीं बीजेपी का वोट शेयर 16.8फीसदी हो गया, जो 2019 में 13फीसदी था। इस चुनाव से माना जाने लगा कि बीजेपी केरलम में तीसरा ऑप्शन बन सकती है।फिर दिसंबर 2025 में निकाय चुनाव हुए। बीजेपी ने चार दशकों से तिरुवनंतपुरम नगर निगम पर काबिज लेफ्ट को हरा दिया। इस जीत से पार्टी को उम्मीद है कि 2026 के विधानसभा चुनाव में बड़ी भूमिका निभाएगी। लेफ्ट के गढ़ में इन कामयाबियों के बावजूद बीजेपी के लिए सबसे बड़ी चुनौती है यहां का सामाजिक ढांचा। केरलम की करीब 45फीसदी आबादी मुस्लिम और ईसाई है, जो पारंपरिक रूप से बीजेपी के वोटर नहीं माने जाते हैं। वहीं केवल हिंदू वोटर्स को एकजुट कर उनके सहारे सत्ता पाना बीजेपी के लिए मुश्किल है। ऐसे में 2026 के चुनाव में बीजेपी ईसाइयों को लामबंद करना चाहती है। इसके लिए उसने 7 ईसाई उम्मीदवार उतारे हैं। वहीं ट्वेंटी-20 पार्टी समेत कुछ स्थानीय दलों के साथ अलायंस किया। 19 सीटों पर चुनाव लड़ने वाली ट्वेंटी-20 को ईसाई समुदाय का समर्थन है। इस चुनाव में बीजेपी की कोशिश है कि कुछ सीट जीतने के साथ वह मुकाबले को त्रिकोणीय बनाए और वोट काटने वाली पार्टी से ऊपर उठाकर 'किंगमेकर' बने। साथ ही अपना मजबूत वोटबेस तैयार करे। अमिताभ तिवारी कहते हैं, केरलम में राजनीति पर लंबे समय से यूडीएफ और एलडीएफ का वर्चस्व रहा है, जिससे तीसरे मोर्चे की गुंजाइश कम बची है। ऐसे में बीजेपी तुरंत सत्ता हासिल करने की बजाय अपने वोट शेयर और सीटें बढ़ाने की कोशिश करेगी।दक्षिण भारत के छोटे से केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी की राजनीति एक दौर में द्रविण पार्टियों और कांग्रेस के इर्द-गिर्द थी। लेकिन हाल में बीजेपी ने साबित किया है कि वह दक्षिण में भी बेहतर तरीके से गठबंधन सरकार चला सकती है। 2014 में बीजेपी ने पूर्व सीएम एन. रंगास्वामी की पार्टी एआईएनआरसी के साथ गठजोड़ किया। हालांकि दो चुनावों में बीजेपी का खाता तक नहीं खुला। आखिरकार 2021 में बीजेपी ने 9 सीटों पर लड़कर 6 पर जीत दर्ज की। वहीं एआईएनआरसी को 10 सीटें मिलीं। एन. रंगास्वामी सीएम बने। यहां 3 विधायक केंद्र सरकार नॉमिनेट करती है। इस प्रावधान का फायदा बीजेपी को मिला और उसके पास कुल 6 विधायक हो गए। इसी के साथ बीजेपी, एआईएनआरसी के लगभग बराबर हो गई। 2026 के चुनाव में पुडुचेरी में बीजेपी सत्ता बरकरार रखने की कोशिश करेगी। साथ ही नई सीट जीतना चाहेगी। दक्षिण भारत में एक मैसेज भी देना चाहेगी कि हम एआईएनआरसी जैसे क्षेत्रीय दलों के साथ मिलकर लंबे समय तक सरकार चला सकते हैं।

चैटजीपीटी की मदद से घर रु9.5 करोड़ में बिका,रु95 लाख ज्यादा कीमत मिली, बिना एजेंट 5 दिन में डील हुई

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका के फ्लोरिडा में एक शख्स ने बल्कि यह भी बताया कि घर को मार्केट में उतारने का सबसे सही

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करके अपना घर करीब 1 मिलियन डॉलर (लगभग 9.5 करोड़ रुपए) में बेच दिया है। मियामी में रहने वाले रॉबर्ट लेविन ने घर बेचने के लिए किसी रियल एस्टेट एजेंट की मदद नहीं ली, बल्कि चैटजीपीटी को अपना गाइड बनाया। लेविन ने केवल 5 दिनों के अंदर ही अपने घर की डील क्लोज कर दी। खास बात यह है कि घर की जो कीमत लोकल एजेंट्स ने बताई थी, लेविन को एआई की सलाह की वजह से उससे 95 लाख रुपए ज्यादा मिले। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, रॉबर्ट लेविन यह टेस्ट करना चाहते थे कि क्या एआई घर बेचने की पूरी प्रोसेस को अकेले संभाल सकता है। उन्होंने घर की सही कीमत तय करने (प्राइसिंग), लिस्टिंग तैयार करने और मार्केटिंग कंटेंट लिखने के लिए चैटजीपीटी का इस्तेमाल किया। लेविन ने बताया कि उन्होंने हर छोटे-बड़े फैसले के लिए टूल पर भरोसा किया। चैटजीपीटी ने लेविन को न केवल कंटेंट लिखकर दिया, समय क्या है ताकि खरीदार तुरंत आकर्षित हों। टूल ने उन्हें घर में कुछ छोटे सुधार करने की भी सलाह दी, जिससे प्रॉपर्टी की वैल्यू बढ़ने में मदद मिली। लेविन के मुताबिक हमने वैसा ही किया, जैसा टूल ने बताया। 3 दिन में 5 ऑफर आए, एजेंट्स के अनुमान से रु95 लाख ज्यादा मिले-घर को मार्केट में लिस्ट करने के महज तीन दिनों के भीतर लेविन को 5 खरीदारों के ऑफर मिल गए। उन्होंने घर को 1 मिलियन डॉलर में बेच दिया। यह कीमत रियल एस्टेट एजेंटों द्वारा दिए गए अनुमान से 95 लाख रुपए ज्यादा थी। लाखों का कमीशन बचाया, पर प्रोफेशनल की सलाह भी मानी- लेविन ने कहा कि एआई के इस्तेमाल से उन्होंने एजेंट को दी जाने वाला कमीशन बचा लिया। हालांकि, उन्होंने सावधानी बरतते हुए कागजी कार्रवाई के लिए एक वकील की मदद जरूर ली। लेविन का मानना है कि एआई पूरी तरह से पेशेवरों की जगह नहीं ले सकता, लेकिन यह काम को बहुत आसान और किफायती बना देता है।

रेमंड के पूर्व चेयरमैन विजयपत सिंघानिया का निधन,बेटे गौतम सिंघानिया ने मुखाग्नि दी, पद्म भूषण से सम्मानित

मुंबई। टेक्सटाइल ब्रांड 'रेमंड' को घर-घर तक पहुंचाने वाले पूर्व चेयरमैन विजयपत सिंघानिया का रविवार 29

मार्च को मुंबई में अंतिम संस्कार कर दिया गया। दोपहर 3 बजे चंदनवाड़ी श्मशान घाट पर उनके बेटे और रेमंड के मौजूदा चेयरमैन गौतम सिंघानिया ने परिवार के अन्य सदस्यों की मौजूदगी में अंतिम रस्में पूरी कीं। 87 वर्षीय सिंघानिया का शनिवार शाम को निधन हुआ था। वे अपने पीछे पत्नी आशादेवी और तीन बच्चों- मधुपति सिंघानिया, शेफाली रुइया और गौतम सिंघानिया को छोड़ गए हैं।

गौतम सिंघानिया ने अपने मैसेज में लिखा है कि उनके पिता एक दूरदर्शी नेता और समाजसेवी इंसान थे, जिनकी विरासत आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। विजयपत सिंघानिया 1980 में रेमंड ग्रुप के चेयरमैन और एमडी बने थे।

सिंघानिया के नेतृत्व में रेमंड ग्रुप सिर्फ कपड़ों तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने ग्रुप का विस्तार सिंथेटिक फैब्रिक्स, डेनिम, स्टील, इंडस्ट्रियल फाइल्स और सीमेंट जैसे क्षेत्रों में किया।उनके विजन ने रेमंड को एक कपड़ा कंपनी से बदलकर एक बड़े औद्योगिक ग्रुप के रूप में खड़ा कर दिया। बिजनेस के अलावा शिक्षा के क्षेत्र में भी उनका योगदान रहा।

वे 2007 से 2012 तक आईआईएम अहमदाबाद की गवर्निंग काउंसिल के चेयरमैन भी रहे।विजयपत सिंघानिया को जोखिम लेने वाले कॉर्पोरेट लीडर के तौर पर जाना जाता था।

उन्हें एडवेंचर और एविएशन का शौक था। नवंबर 2005 में, 67 साल की उम्र में उन्होंने हॉट एयर बैलून के जरिए लगभग 69,000 फीट की ऊंचाई तक उड़कर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था।

इससे पहले 1988 में उन्होंने एक माइक्रोलाइट विमान में लंदन से नई दिल्ली तक 23 दिन में अकेले उड़ान भरकर 'स्पीड-ओवर-टाइम एंड्योरेंस रिकॉर्ड' बनाया था। 1994 में भारतीय वायुसेना ने उन्हें 5000 घंटे से ज्यादा की फ्लाइट एक्सपीरियंस के कारण 'मानद एयर कमोडोर' बनाया, जबकि 2006 में उन्हें मुंबई का 'शेरिफ' नियुक्त किया गया था। विजयपत सिंघानिया को साल 2006 में देश के तीसरे सबसे बड़े नागरिक सम्मान 'पद्म भूषण' से नवाजा गया था। यह सम्मान उन्हें व्यापार और उद्योग के क्षेत्र में उनके असाधारण योगदान के लिए दिया गया। उन्होंने न केवल 'रेमंड' को एक ग्लोबल ब्रांड बनाया, बल्कि भारतीय टेक्सटाइल सेक्टर में आधुनिक तकनीक और वर्ल्ड-क्लास क्वालिटी के मानक स्थापित किए।

विजयपत सिंघानिया ने साल 2000 में रेमंड ग्रुप की कमान अपने बेटे गौतम सिंघानिया को सौंप दी थी। हालांकि, पिछले कुछ सालों में पिता और बेटे के बीच संपत्ति और अधिकारों को लेकर कानूनी विवाद काफी सुर्खियों में रहा था।

2017 में विजयपत ने एक इंटरव्यू में बताया कि उनके बेटे गौतम सिंघानिया ने उन्हें जेके हाउस से निकाल दिया था। रेमंड भारत का एक भरोसेमंद मेंस वियर ब्रांड है, जिसकी शुरुआत 1925 में ठाणे से हुई थी।

पहले यह मिल सेना के लिए वर्दी बनाती थी, लेकिन बाद में इसे आम लोगों तक पहुंचाया गया। विजयपत सिंघानिया के समय कंपनी ने तेजी से तरक्की की और छोटे शहरों तक अपने शोरूम खोले। गौतम सिंघानिया ने इस विरासत को आगे बढ़ाते हुए कंपनी को मॉडर्न बनाया। उन्होंने नए फैब्रिक, डिजाइन और टेक्नोलॉजी पर काम किया, जिससे रेमंड की पहचान और मजबूत हुई। आज कंपनी देश के साथ-साथ विदेशों में भी कारोबार कर रही है।

यूपी पीसीएस पास किया तो मंदिर में फूट-फूटकर रोया,चाय वाले का बेटा बना जीएसटी अफसर
4 महीने पहले मां बनीं श्वेता अब एसडीएम

प्रयागराज। यूपी पीसीएस 2024 का फाइनल रिजल्ट रविवार रात साढ़े 12 बजे जारी हो गया। दिल्ली की नेहा पंचाल ने टॉप किया है। रायबरेली की अनन्या त्रिवेदी दूसरे और अभय प्रताप सिंह तीसरे नंबर पर हैं। टॉप 10 में 6 लड़कियां हैं। प्रयागराज में रहकर तैयारी करने वाले आनंद राज सिंह को जैसे ही पता चला कि उन्होंने परीक्षा पास की है, वह सिविल लाइंस के हनुमान मंदिर पहुंच गए। वहां मत्था टेककर फूट-फूटकर रोने लगे। कुछ देर तक रोते रहे, फिर खुद को संभाला और दर्शन किए। आनंद सोनभद्र के रहने वाले हैं। वह नायब तहसीलदार बने हैं। इस पोस्ट में उनकी 22वीं रैंक है। कानपुर की श्वेता वर्मा एसडीएम बनी हैं। वह चार महीने पहले मां बनी हैं। इस पोस्ट में उनकी 21वीं रैंक है। इसके अलावा, कौशांबी के सुनील मौर्य कमर्शियल टैक्स ऑफिसर (सीटीओ) बने हैं। उनके पिता चाय की दुकान चलाते हैं। इस पोस्ट में उनकी 82वीं रैंक है। सेकेंड टॉपर 25 साल की अनन्या के पिता सुशील त्रिवेदी परचून की दुकान चलाते हैं। मां रेखा रानी सरकारी टीचर हैं। मामा राजेश पांडेय कानपुर देहात में एडिशनल एसपी हैं। अनन्या ने पहले प्रयास में ही परीक्षा पास की है। 932 अभ्यर्थियों में से 319 लड़कियां-932 अभ्यर्थियों का सेलेक्शन हुआ है। इनमें 319 लड़कियां हैं। चयनित अभ्यर्थियों में 37 डिप्टी कलेक्टर (एसडीएम), 17 पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) और 196 असिस्टेंट कमिश्नर (कमर्शियल टैक्स) बने हैं। पीसीएस-2023 की बात करें तो सहारनपुर के सिद्धार्थ गुप्ता ने टॉप किया था। टॉप 10 में सिर्फ 2 लड़कियां थीं। 14 पदों पर योग्य अभ्यर्थी नहीं मिले-947 पदों के लिए 2719 अभ्यर्थियों को इंटरव्यू के लिए बुलाया गया था। इनमें से 2698 लोग इंटरव्यू देने पहुंचे थे, जबकि 21 नहीं पहुंचे। व्यवस्थाधिकारी के एक और व्यवस्थापक के 14 पद योग्य अभ्यर्थी नहीं मिलने के कारण खाली रह गए। पीसीएस 2024 प्री के लिए 5.76 लाख उम्मीदवारों ने आवेदन किया था। प्री का रिजल्ट मार्च 2025 में जारी किया गया था। इसमें से 15,066 अभ्यर्थियों ने मेन्स के लिए क्वालीफाई किया था। मेन्स परीक्षा में 13,776 अभ्यर्थी शामिल हुए थे।

1 अप्रैल से बदलेंगे नियम

साफ है कि अगर आपका खर्च आईटीआर ने दिखाई गई इनकम से ज्यादा रहता है तो आपको नोटिस आ सकता है।ड्राफ्ट नियमों के अनुसार दूसरा बड़ा बदलाव यह है कि पैन को क्रेडिट कार्ड से लिंक करना अनिवार्य बना दिया गया है। 1 अप्रैल के बाद बैंक बिना क्रेडिट कार्ड जारी नहीं करेंगे। साथ ही आपको अपने मौजूदा क्रेडिट कार्ड को भी पैन से लिंक कराना होगा। इस तरह क्रेडिट कार्ड आपकी टैक्स आइडेंटिटी का एक अहम हिस्सा बन जाएगा। इतना ही नहीं अगर आपका क्रेडिट कार्ड स्टेटमेंट तीन महीने से ज्यादा पुराना नहीं है, तो उसे पैन बनवाते समय एड्रेस प्रूफ के रूप में दिया जा सकता है।क्रेडिट कार्ड के साथ आपको एक और विकल्प मिल सकता है। अब आप क्रेडिट कार्ड के जरिए इनकम टैक्स का ऑनलाइन पेमेंट कर सकते हैं। अब तक केवल डेबिट कार्ड और नेट बैंकिंग के जरिए ऐसा किया जा सकता था। अब क्रेडिट कार्ड को भी इलेक्ट्रॉनिक पेमेंट मोड के लिए मान्यता दी जा चुकी है। लेकिन बैंक इस पर प्रोसेसिंग फीस ले सकता है और अगर आपने समय पर क्रेडिट कार्ड का बिल नहीं भरा तो ब्याज भी चुकाना पड़ सकता है।अगर आप अपनी कंपनी की तरफ से दिया गया क्रेडिट कार्ड का यूज करते हैं तो नए नियमों का आप पर ज्यादा असर हो सकता है। अप्रैल से कंपनी के कार्ड से किए गए पर्सनल खर्च को टैक्स योग्य लाभ माना जा सकता है। हालांकि अगर खर्च पूरी तरह आधिकारिक काम के लिए किया गया है, तो उस पर टैक्स नहीं लगेगा। लेकिन इसके लिए आपको बिलों को संभालकर रखना होगा।

नेपाल सरकार ने छात्र राजनीति पर रोक लगाई,5वीं क्लास तक एग्जाम भी खत्म

इसके बाद 1991 से 2006 के बीच के मामलों को भी देखा जाएगा। सरकार चाहती है कि सरकारी कामकाज साफ-सुथरा और जिम्मेदारी से हो। इसके लिए हर मंत्रालय को अपना काम तय समय में पूरा करना होगा। किसे क्या करना है और कब तक करना है, यह पहले से तय रहेगा और इसकी रिपोर्ट प्रधानमंत्री कार्यालय को देनी होगी। सरकार संविधान में बदलाव को लेकर भी तैयारी कर रही है। इसके लिए 7 दिनों के अंदर एक पेपर तैयार किया जाएगा, ताकि इस पर खुलकर बात हो सके।

सरकार ने यह भी कहा है कि जिन लोगों के साथ पहले अन्याय या भेदभाव हुआ है, उसे 15 दिनों के अंदर स्वीकार किया जाएगा। इसके बाद उनके लिए मदद और सुधार की योजना बनाई जाएगी। काठमांडू में पिछले साल हजारों शिक्षकों ने प्रदर्शन किया था-काठमांडू में पिछले साल हजारों शिक्षक सड़कों पर उतर आए थे। मामला इतना बढ़ गया था कि देशभर के करीब 29 हजार सरकारी स्कूल बंद करने पड़े। लाखों छात्रों की पढ़ाई अचानक रुक गई और पूरा सिस्टम जैसे थम सा गया। असल में, यह विरोध संसद में लाए गए एक शिक्षा बिल को लेकर था। शिक्षकों को डर था कि सरकार स्कूलों का कंट्रोल लोकल लेवल पर दे रही है, जिससे उनकी नौकरी दिक्कत में पड़ सकती थी। उनका कहना था कि अगर स्कूलों का कंट्रोल लोकल सरकारों के पास चला गया, तो वहां राजनीति का असर और बढ़ जाएगा और उनके अधिकार कम हो जाएंगे। प्रदर्शन के दौरान शिक्षकों ने सड़कों पर उतरकर नारेबाजी की, संसद की ओर जाने वाले रास्ते जाम कर दिए और सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश कीनेपाल की शिक्षा व्यवस्था लंबे समय से अस्थिर रही है, जहां कभी छात्र संगठन आंदोलन करते हैं तो कभी शिक्षक सड़कों पर उतर आते हैं। इसका सीधा असर छात्रों की पढ़ाई पर पड़ता था। सबसे बड़ी समस्या यही थी कि शिक्षा में राजनीति का दखल बहुत ज्यादा था। स्कूल और कॉलेज कई बार पढ़ाई के बजाय राजनीतिक एक्टिविटी का सेंटर बन जाते थे। इसी वजह से क्लासेस रुकती थीं, परीक्षाएं टलती थीं और रिजल्ट में भी देरी होती थी।

अनीत पड्डा की बहन ने इंस्टाग्राम अकाउंट डिलीट किया,धुरंधर-2 को प्रोपेगेंडा कहने पर जमकर आलोचना हुई

एक्ट्रेस के बॉयकॉट की मांग भी उठी

मुंबई। सैयारा स्टार अनीत पड्डा की बहन उस बयान से विवादों में घिर गईं, जिसमें उन्होंने रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर 2 को प्रोपेगेंडा बताया था। बयान

के बाद उनकी काफी आलोचना हुई, जिसके चलते उन्होंने इंस्टाग्राम अकाउंट डिलीट कर दिया। रीत पड्डा ने इंस्टाग्राम के अलावा लिंक्डइन अकाउंट भी डिएक्टिवेट कर दिया। इससे पहले उन्होंने अपना अकाउंट प्राइवेट कर दिया था।रीत पड्डा की इंस्टाग्राम पोस्ट पर एक यूजर ने कमेंट किया, जिसके जवाब में उन्होंने लिखा, 'मैं सोशल मीडिया पर किसी कमेंट का जवाब दे रही हूं, थोड़ा अजीब लग सकता है, क्योंकि मैं आमतौर पर ऐसा नहीं करती। मुझे लगता है कि यहां किसी की सोच बदलना मुश्किल होता है। लेकिन तुमने मेरी हर पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी है, इसलिए मैंने एक-एक बात का जवाब देने का सोचा।'आगे उन्होंने कहा, 'सबसे पहले, कश्मीर फाइल्स, केरल फाइल्स और धुरंधर को प्रोपेगेंडा कहने पर उन्होंने कहा कि उनके हिसाब से धुरंधर सरकार के पक्ष में कहानी दिखाती है और कुछ राजनीतिक बातों को सही ठहराती है, इसलिए इसे प्रोपेगेंडा कहना गलत नहीं है।' 'कश्मीर फाइल्स और केरल फाइल्स पर उन्होंने कहा कि इनमें कुछ आंकड़े बढ़ा-चढ़ाकर दिखाए गए हैं, जैसे '32,000 महिलाओं के धर्म परिवर्तन' की बात, जबकि असली संख्या कम बताई जाती है। यानी थोड़ी सच्चाई को बढ़ाकर एक खास कहानी बनाई गई है।' उन्होंने कहा कि ऐसी फिल्में बनना ठीक है, लेकिन समस्या तब होती है जब पंजाब '95 जैसी अलग नजरिया दिखाने वाली फिल्में रिलीज नहीं हो पातीं। इसके अलावा रीत ने प्रियंका चोपड़ा के ऑस्कर में ईरान-इजरायल युद्ध पर प्रतिक्रिया न देने सहित कई मुद्दों पर राय रखी। इसके बाद उनकी जमकर आलोचना हुई और विवाद बढ़ने पर कई लोगों ने अनीत पड्डा के बॉयकॉट की मांग की। रीत पड्डा का अकाउंट डिएक्टिवेट होने के बाद ट्रोलर्स अनीत पड्डा के ऑफिशियल अकाउंट सेक्शन की पोस्ट पर कमेंट कर आलोचना कर रहे हैं।

दीया मिर्जा बोलीं-फिल्म फ्लॉप हुई तो लोग पनौती कहने लगे,ऐश्वर्या राय से होती थी तुलना

फिर राजकुमार हिरानी से कॉल पर मांगना पड़ा काम

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस दीया मिर्जा की फिल्म 'रहना है तेरे दिल

में' आज भले ही कल्ट क्लासिक मानी जाती हो, लेकिन रिलीज के वक्त इस फिल्म के फ्लॉप होने का खामियाजा एक्ट्रेस को भुगतना पड़ा था। दीया ने एक लेटेस्ट इंटरव्यू में खुलासा किया कि कैसे एक दौर में उन्हें इंडस्ट्री में 'पनौती' और 'बदकिस्मत' मान लिया गया था और उन्हें काम मिलना बंद हो गया था। इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत में दीया ने बताया कि करियर की शुरुआत में उनकी तुलना ऐश्वर्या राय से की जाती थी। एक्ट्रेस ने कहा, 'मुझे याद है कि मेरी एक बड़ी फिल्म फ्लॉप हुई और अचानक सब बदल गया। जो लोग मुझे काम देने के लिए लाइन लगाए रहते थे, वही मुझे 'पनौती' समझने लगे। मैंने उस दौर में बहुत कुछ झेला है, जहां मुझे सिर्फ इसलिए काम नहीं दिया जा रहा था क्योंकि लोग मुझे अनलकी मानने लगे थे।'दीया के मुताबिक, उनके करियर में टर्निंग पॉइंट फिल्म 'संजू' से आया। उन्होंने बताया, 'जब राजकुमार हिरानी 'संजू' की कास्टिंग कर रहे थे, तो मैंने खुद उन्हें कॉल किया। मैंने उनसे कहा- प्लीज मुझे काम दीजिए, मेरे पास कोई काम नहीं है और मैं नए प्रोजेक्ट्स तलाश रही हूं। मैं वादा करती हूं कि मैं स्क्रीन टेस्ट दूंगी, आप बस मुझे मौका दें।' हिरानी ने रणबीर कपूर और टीम से बात की और दीया को मान्यता दत्त का रोल मिला, जो उनके लिए 'लाइफ सेवर' साबित हुआ।बता दें कि साल 2001 में आई 'रहना है तेरे दिल में' का बजट करीब 5-6 करोड़ रुपए था। फिल्म ने भारत में केवल 5.36 करोड़ का नेट कलेक्शन किया था और बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप घोषित हुई थी। हालांकि, बाद में टीवी और डीवीडी के जरिए इस फिल्म को इतनी लोकप्रियता मिली कि आज इसे रोमांस जॉनर की बेहतरीन फिल्मों में गिना जाता है। फिल्म 'इक्का': इसमें वह सनी देओल, अक्षय खन्ना और तिलोत्तमा शोम के साथ नजर आएंगी। वेब सीरीज: नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ एक सीरीज और जिमी शेरगिल के साथ दूसरी सीरीज पाइपलाइन में है। नया अवतार: दीया जल्द ही बच्चों की किताब लिखकर ऑथर के रूप में भी डेब्यू करने जा रही हैं।

ईरान-इजरायल वॉर के बीच किंग का शूटिंग शेड्यूल बिगड़ा,दुबई में शूट होना था शाहरुख,मुंबई में बनेगा सेट

मुंबई। ईरान-इजरायल वॉर के बढ़ते तनाव का असर शाहरुख खान की फिल्म किंग पर पड़ा है। एक बड़ा एक्शन सीक्वेंस दुबई के रेगिस्तान में शाहरुख खान, सुहाना खान और अनिल कपूर के साथ शूट होना था, लेकिन सुरक्षा कारणों से शेड्यूल रद्द कर दिया गया। अब मुंबई में रेगिस्तान का सेट बनाया जा रहा है।मिड-डे की रिपोर्ट के अनुसार, किंग की दुबई शूटिंग का शेड्यूल महीनों पहले तय था और सभी परमिशन व फॉर्मेलिटीज पूरी हो चुकी थीं। शूटिंग 9 अप्रैल से एक हफ्ते के लिए शुरू होने वाली थी, लेकिन सुरक्षा को देखते हुए डायरेक्टर ने इसे रद्द कर दिया।रिपोर्ट के अनुसार, दुबई के सीन अब मुंबई के विले पार्ले स्थित स्टूडियो में शूट होंगे, जहां प्रोडक्शन टीम ने रेगिस्तान का वैसा ही सेट तैयार किया है जैसा डायरेक्टर सिद्धार्थ आनंद चाहते थे। स्टूडियो शूट से एक्शन और लाइटिंग पर बेहतर फोकस संभव होगा।सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बन रही किंग 24 दिसंबर 2026 को क्रिसमस पर रिलीज होगी। फिल्म की शूटिंग मई 2025 से शुरू हुई और बड़ा हिस्सा मुंबई के महबूब स्टूडियो में शूट हुआ। जेल सीक्वेंस 200 स्टंटमैन के साथ फिल्माया गया है। जुलाई 2025 में विले पार्ले की गोल्डन टोबैको फैक्ट्री में एक्शन सीक्वेंस के दौरान शाहरुख खान घायल हुए थे, जिसके बाद वह इलाज के लिए यूनाइटेड स्टेट गए और 6 हफ्ते शूटिंग रुकी रही। एक एक्शन सीन पर 50 करोड़ रुपए खर्च हुए-फिल्म में शाहरुख खान, सुहाना खान, अनिल कपूर के साथ अभिषेक बच्चन और दीपिका पादुकोण भी अहम भूमिकाओं में हैं। अभिषेक बच्चन नेगेटिव रोल में हैं। शाहरुख और अभिषेक के बीच बड़े एक्शन सीक्वेंस की यूरोप में शूटिंग पर 50 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं।

40 की उम्र में सोनम कपूर दूसरी बार मां बनीं,बेटे को जन्म दिया, खुशखबरी शेयर कर कहा- हमारा परिवार बड़ा हो गया है

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनम कपूर दूसरी बार मां बनी हैं।

उन्होंने 29 मार्च को मुंबई में बेटे को जन्म दिया। इससे पहले उनका एक बेटा वायु है। सोनम और उनके पति आनंद आहूजा ने सोशल मीडिया पर यह खुशखबरी शेयर की। कपल ने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से लिखा- 'बहुत खुशी और प्यार के साथ हम यह बताना चाहते हैं कि आज, 29 मार्च 2026 को हमारे घर एक बेटे का जन्म हुआ है। अब हमारा परिवार बड़ा हो गया है और उसके आने से हमारे दिल खुशी से भर गए हैं। वायु अपने छोटे भाई के आने से बहुत खुश है। इस नन्हे मेहमान ने हमारे घर में ढेर सारी खुशियां ला दी हैं। हम अब चार लोगों का परिवार बनकर इस नई शुरुआत के लिए बहुत आभारी हैं। प्यार के साथ- सोनम, आनंद और वायु।' खुशखबरी के बाद करीना कपूर, आलिया भट्ट, दीया मिर्जा, हुमा कुरैशी समेत कई सेलेब्स कपल को शुभकामनाएं दे रहे हैं। सोनम कपूर ने नवंबर 2025 में दूसरी बार मां बनने की खुशखबरी फैंस को दी थी। उन्होंने पिंक ग्लैमरस आउटफिट में मदरहुड कैप्शन के साथ इसकी घोषणा की। इसके बाद उनके प्रेग्नेंसी लुक चर्चा में रहे। सोनम कपूर की गोद भराई की रस्म फरवरी में हुई थी, जिसमें कपूर और आहूजा परिवार समेत फिल्म इंडस्ट्री के कई लोग शामिल हुए। एक्ट्रेस ने तस्वीरें और वीडियो पोस्ट कर लिखा था, 'सीमंतोन्नयन, सनातन धर्म के सोलह संस्कारों में तीसरा संस्कार है। इसे आमतौर पर 'बालों की मांग भरने की रस्म' कहा जाता है, जो मां और उसके गर्भ में पल रहे बच्चे का सम्मान करती है। भारत के अलग-अलग हिस्सों में इसे अलग-अलग नामों से जाना जाता है, जैसे गोद भराई, श्रीमंत, दोहाले जेवन, शाद, सीमन्थम, वलैकप्पु, सीमंथा, पुलिक्कुड़ी और साधभक्षण। नाम भले बदल जाएं, लेकिन इसका भाव एक ही होता है, नए जीवन के लिए प्यार, सुरक्षा और खुशियों का आशीर्वाद।'सोनम कपूर ने 2018 में दिल्ली के बिजनेसमैन आनंद आहूजा से शादी की थी। शादी के 4 साल बाद 2022 में उन्होंने बेटे वायु को जन्म दिया और 2026 में दूसरी बार मां बनीं।

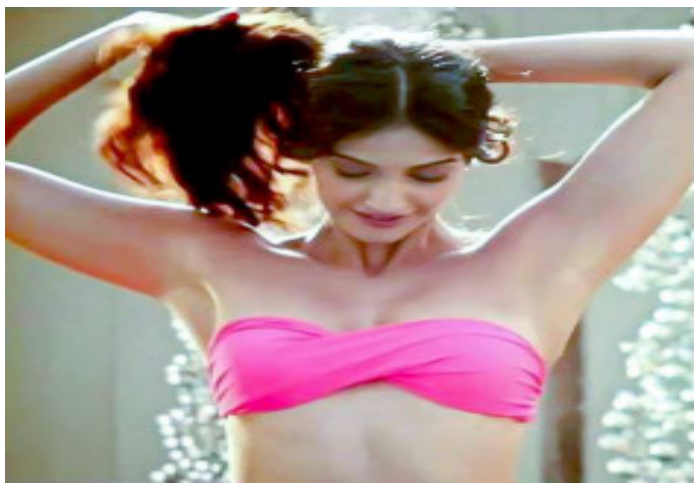

पाकिस्तानियों ने धुरंधर 2 की कमाई में हिस्सा मांगा,बोले- रु500 करोड़ ल्यारी वालों को दे दो, पैसों से इलाके की सड़कें बनेंगी

इस्लामाबाद। आदित्य धर की फिल्म धुरंधर 2 कमाई के रोज नए रिकॉर्ड बना रही है। रिलीज के दस दिनों में फिल्म का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 1,226.44 करोड़ रुपए

पहुंच गया है। अब पाकिस्तान के ल्यारी इलाके के कुछ लोगों ने फिल्म की कमाई में हिस्सा मांगा है। यह मांग एक वायरल वीडियो में सामने आई, जहां स्थानीय लोगों ने फिल्म की कमाई से अपने इलाके के विकास और सड़कों के निर्माण की बात कही है। 'कंपैरिजन टीवी' नाम के एक यूट्यूब चैनल द्वारा शेयर किए गए वीडियो में कुछ स्थानीय लोग फिल्म की सक्सेस पर रिएक्शन देते नजर आए। लोगों ने कहा कि अगर फिल्म ने हजारों करोड़ कमाए हैं, तो उसका बड़ा हिस्सा ल्यारी के विकास में लगाया जाना चाहिए। वीडियो में कुछ लोगों ने 500 करोड़ रुपए या कुछ लोगों ने कुल कमाई का 70-80फीसदी हिस्सा देने की मांग रखी। उनका कहना था कि इलाके की सड़कों और बुनियादी सुविधाओं की स्थिति खराब है। फिल्म से हुई कमाई का उपयोग सुधार के लिए होना चाहिए।रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर 2 (धुरंधर: द रिवेंज) दुनियाभर में 6वीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन गई है।फिल्म का दुनियाभर में कलेक्शन 1,226.44 करोड़ रुपए पहुंच गया है और इसने केजीएफ चैप्टर 2 (1,215 करोड़ रुपए) व जवान (1,160 करोड़ रुपए) को पीछे छोड़ दिया है। ट्रेड वेबसाइट सैकनिल्क के अनुसार, रिलीज के दसवें दिन (शनिवार) फिल्म ने भारत में 62.85 करोड़ रुपए का नेट कलेक्शन किया। फिल्म ने दुनियाभर में 1,226.44 करोड़ रुपए का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है।धुरंधर 2 का भारत में कुल नेट कलेक्शन 778.77 करोड़ रुपए और ग्रॉस कलेक्शन 930.44 करोड़ रुपए हो गया। ग्रॉस कलेक्शन टिकट से कुल कमाई और नेट कलेक्शन टैक्स के बाद की कमाई होती है। ओवरसीज में फिल्म ने 296.00 करोड़ रुपए कमाए, जिससे वर्ल्डवाइड ग्रॉस 1,226.44 करोड़ रुपए पहुंच गया।दसवें दिन फिल्म के हिंदी वर्जन ने 58 करोड़ रुपए की सबसे ज्यादा कमाई की। वहीं, तेलुगु में 3 करोड़ रुपए, तमिल में 1.40 करोड़ रुपए, कन्नड़ में 0.30 करोड़ रुपए और मलयालम में 0.15 करोड़ रुपए का कलेक्शन हुआ।धुरंधर को शानदार रिस्पॉन्स मिला था- धुरंधर के पहले पार्ट ने भारत और अंतरराष्ट्रीय बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया और दुनियाभर में करीब 1,307 करोड़ रुपए कमाए। भारत में फिल्म का ग्रॉस कलेक्शन 1,005.85 करोड़ रुपए रहा, जबकि नेट कलेक्शन लगभग 840 करोड़ रुपए हुआ। वहीं, 894.49 करोड़ रुपए की कमाई के साथ ही यह हिंदी भाषा में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनी थी। विदेशी बाजारों में भी फिल्म को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला। ओवरसीज में इसने करीब 299.5 करोड़ रुपए कमाए। अमेरिका और कनाडा में 193.06 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई कर बाहुबली 2 का रिकॉर्ड भी तोड़ा। दिलचस्प बात यह थी कि फिल्म को खाड़ी देशों में रिलीज की अनुमति नहीं मिलने के बावजूद शानदार सफलता मिली। साथ ही यह भारतीय सिनेमा की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली 'ए' रेटेड फिल्म बनी।

सारा अर्जुन को वानखेड़े स्टेडियम में फैंस ने घेरा:धुरंधर 2 की एक्ट्रेस को भीड़ से पिता ने बचाया, मुंबई इंडियंस को सपोर्ट करने पहुंची थीं

मुंबई। आदित्य धर की फिल्म धुरंधर 2 की सफलता के बीच एक्ट्रेस सारा अर्जुन रविवार को

आईपीएल मैच देखने वानखेड़े स्टेडियम पहुंची। यहां मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच मुकाबले के बाद सारा को स्टेडियम से बाहर निकलते वक्त फैंस की भीड़ ने घेर लिया। इस दौरान उनके पिता और एक्टर राज अर्जुन को अपनी बेटी को सुरक्षित निकालने के लिए बॉडीगार्ड की तरह स्थिति संभालनी पड़ी। सारा अर्जुन रविवार को अपने पिता राज अर्जुन और मां सान्या अर्जुन के साथ वानखेड़े स्टेडियम पहुंचीं। उन्होंने मुंबई इंडियंस की जर्सी पहनकर टीम को चीयर किया। पूरे मैच में वह एक्साइटेड दिखीं, लेकिन बाहर निकलते समय अफरा-तफरी मच गई।फैंस ने उन्हें देखते ही सेल्फी के लिए भीड़ लगा दी। भीड़ सारा के काफी करीब आ गई, जिससे स्थिति असहज हो गई। ऐसे में राज अर्जुन ने तुरंत बेटी को प्रोटेक्ट किया और उन्हें भीड़ से निकालकर कार तक पहुंचाया। सोशल मीडिया पर घटना के वीडियो वायरल हैं, जिनमें राज अर्जुन बेटी को सुरक्षित निकालते दिख रहे हैं। चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर शुरू किया था करियर-एक्टर राज अर्जुन की बेटी सारा ने 6 साल से कम उम्र में एक्टिंग शुरू की। उन्होंने 'एक थी डायन', 'जय हो' और 'जज्बा' में चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर काम किया। हाल ही में उन्होंने आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर 2' से लीड एक्ट्रेस के रूप में डेब्यू किया।

हसबैंड निजी बातें अपनी बहन को बताता है:मुझे चाहिए प्राइवेसी, क्या मैं ओवरथिंक कर रही या हमारी शादी खतरे में है

नयी दिल्ली। विषय पर प्रकाश डालेंगे एक्सपर्ट: डॉ. जया सुब्रुल, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, नोएडा और उनसे समझेंगे उपाय सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल: मैं 30 साल की हूं। मेरी शादी हुए लगभग 4 साल हो चुके हैं। मेरी ससुराल इंदौर में है, मैं होम मेकर हूं। हमारे रिश्ते में सबकुछ ठीक है, लेकिन मेरे पति हर छोटी-बड़ी बात अपनी बहन से शेयर करते हैं। यहां तक कि कई बार वे हमारी पर्सनल बातें भी शेयर करते हैं। जब मुझे इस बारे में पता चला तो मुझे यह सब बहुत अजीब लगा। उसके बाद से मुझे ऐसा महसूस होता है कि जैसे हमारे रिश्ते में कोई प्राइवेसी ही नहीं बची है। जब मैं अपने पति से इस बारे में कोई सवाल करती हूं तो वो कहते हैं कि वो मेरी बहन ही तो है, उससे सब शेयर करना कोई गलत बात नहीं है। अब मैं परेशान हूं कि क्या मैं ओवरथिंक कर रही हूं या वाकई ये मेरी मैरिड लाइफ के लिए खतरा हो सकता है? मुझे अपने रिलेशनशिप को बचाने के लिए क्या करना चाहिए? क्या मुझे किसी काउंसलर की हेल्प लेनी चाहिए? जवाब: सबसे पहले तो ये जान लीजिए कि आप जो महसूस कर रही हैं, वो बिल्कुल सही है। शादी के चार साल बाद भी रिश्ते में प्राइवेसी का मुद्दा उठना कोई छोटी बात नहीं है। आपने बताया कि आपके पति हर छोटी-बड़ी बात अपनी बहन से शेयर करते हैं, यहां तक कि पर्सनल बातें भी। इससे आपको लगता है कि रिश्ते की गोपनीयता खत्म हो गई है। और जब आप विरोध करती हैं, तो वो कहते हैं कि बहन है, शेयर करना गलत नहीं। ये सुनकर आपको लग रहा होगा कि शायद आप ज्यादा सोच रही हैं, लेकिन नहीं, ये एक असली समस्या है। मैंने ऐसे कई कपल्स को देखा है जहां फैमिली में ज्यादा शेयरिंग से रिश्ता कमजोर पड़ जाता है। इसे धीरे-धीरे समझते हैं और देखते हैं कि क्या करना चाहिए। सबसे पहले, खुद को दोष मत दीजिए। शादी एक ऐसा रिश्ता है जहां दो लोग एक-दूसरे के सबसे करीब होते हैं। यहां प्राइवेसी का मतलब है कि कुछ बातें सिर्फ आप दोनों के बीच रहें। जब कोई तीसरा इंसान, चाहे वो बहन ही क्यों न हो, उन बातों में शामिल हो जाता है, तो रिश्ते की नींव हिल सकती है। आप ओवरथिंक नहीं कर रही हैं; ये आपका हक है कि आप अपने रिश्ते की प्रोटेक्शन चाहें। बहुत सी महिलाएं ऐसी स्थिति में खुद को अकेला महसूस करती हैं, क्योंकि समाज हमें सिखाता है कि फैमिली को खुश रखना हमारी जिम्मेदारी है। लेकिन याद रखिए, आपकी मैरिड लाइफ आपकी है, और उसमें बाउंड्रीज जरूरी हैं। चलिए, इसे एक सिंपल उदाहरण से समझते हैं। सोचिए, आपका घर एक गार्डन है। उसमें फूल खिलाने के लिए आप दोनों मिलकर पानी देते हैं, देखभाल करते हैं। लेकिन अगर हर कोई बाहर से आकर उसमें हाथ डाले, तो वो गार्डन कैसा रहेगा? ठीक वैसे ही, रिश्ते में प्राइवेसी वो बाड़ा है जो बाहर की हवा से बचाता है।

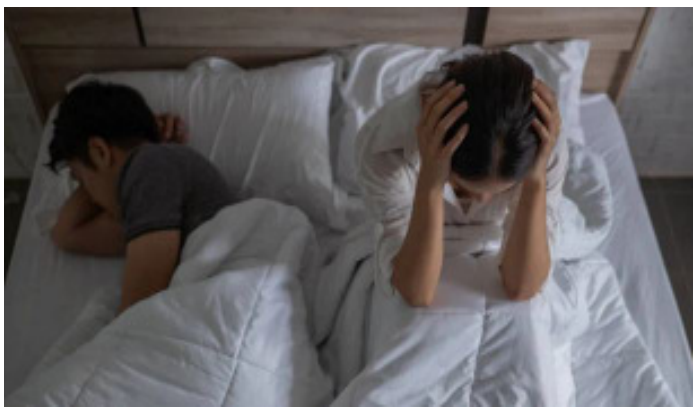

जब पति अपनी बहन से सब शेयर करते हैं, तो वो बाड़ा टूट जाता है। इससे ट्रस्ट कम होता है, क्योंकि आपको लगता है कि आपकी बातें सुरक्षित नहीं हैं। रिसर्च बताती है कि कपल्स जो प्राइवेसी बनाए रखते हैं, उनके रिश्ते ज्यादा मजबूत होते हैं। लेकिन अगर शेयरिंग ज्यादा हो जाए, तो मिसअंडरस्टैंडिंग बढ़ सकती है, और कभी-कभी फैमिली में दखलअंदाजी शुरू हो जाती है। आपके पति कहते हैं कि बहन है, शेयर करना गलत नहीं। ये सही है कि फैमिली से कुछ बातें शेयर की जा सकती हैं, जैसे खुशी के मोमेंट्स या जनरल एडवाइज। लेकिन पर्सनल बातें, जैसे इंटिमेट डिटेल्स, फाइनेंशियल इश्यूज या झगड़े, वो बाहर नहीं जानी चाहिए। ये ओवर शेयरिंग है, जो रिश्ते को कमजोर करती है। उदाहरण के लिए, अगर आपका पति आपकी कोई कमजोरी बहन से शेयर कर दे, तो वो अनजाने में आप पर असर डाल सकती है। या अगर कोई फैमिली प्रॉब्लम है, तो बाहर शेयर करने से वो और बड़ा बन जाता है। ये न सिर्फ आपके लिए, बल्कि उनके लिए भी खतरा है, क्योंकि इससे रिश्ते में असुरक्षा आ जाती है। क्या ये रिश्ते के लिए खतरा है? हां, बिल्कुल। अगर ये आदत जारी रही, तो आपकी मैरिड लाइफ में कई प्रॉब्लम्स आ सकती हैं। सबसे पहले, आप दोनों के बीच कम्युनिकेशन कम हो सकता है, क्योंकि आपको डर लगेगा कि बात बाहर जाएगी। दूसरा, बहन की एडवाइज से आपके फैसले प्रभावित हो सकते हैं, जो रिश्ते की बैलेंस बिगाड़ देगा। तीसरा, लंबे समय में ये रिसेंटमेंट पैदा कर सकता है- आप पति से नाराज रहेंगी, और वो समझ नहीं पाएंगे।

मैंने क्लिनिक में ऐसे केस देखे हैं जहां ओवर शेयरिंग से डिवोर्स तक बात पहुंच गई। लेकिन अच्छी बात ये है कि इसे ठीक किया जा सकता है, अगर दोनों मिलकर कोशिश करें। कपल को रिलेशनशिप से बाहर ये बातें शेयर नहीं करनी चाहिए-कपल्स को कभी भी अपने रिलेशनशिप से बाहर प्राइवेट बातें नहीं शेयर करनी चाहिए। ग्राफिक में दी ये लिस्ट रिश्ते की प्राइवेसी बनाए रखने के लिए जरूरी है। अब इन बातों को थोड़ा विस्तार से समझते हैं-पहली बात, सेक्स लाइफ की इंटीमेट डिटेल्स: ये सबसे पर्सनल मोमेंट्स हैं, इन्हें शेयर करने से रिश्ते की पवित्रता टूटती है और ट्रस्ट कम होता है। दूसरी, पार्टनर की कमजोरियां: इन्हें बाहर बताने से दूसरे लोग आपके पार्टनर का सम्मान कम कर सकते हैं और कभी ये उनके खिलाफ इस्तेमाल हो सकती हैं।

तीसरी, फाइनेंशियल डिटेल्स: पैसे की दिक्कतें या कमाई शेयर करने से अनचाहा एडवाइज, दया या गलतफहमी हो सकती है।चौथी, फैमिली सीक्रेट्स: संवेदनशील पास्ट या ट्रॉमा बाहर जाने से असुरक्षा बढ़ती है। पांचवीं, रिलेशनशिप प्रॉब्लम्स: झगड़ों को बाहर वेंट करने से दूसरे लोग बायस्ड हो जाते हैं और प्रॉब्लम बड़ी हो जाती है। छठी, पास्ट ट्रॉमाज: ये गहरी बातें शेयर करने से पार्टनर असुरक्षित फील कर सकता है।

सातवीं, पर्सनल गोल्स: इन्हें जल्दी शेयर करने से मोटिवेशन कम हो सकता है। आठवीं, फैमिली मैटर्स: घर की बातें बाहर न जाएं, वरना सीक्रेट्स लीक हो सकते हैं। नौवीं, रोमांटिक जेस्चर्स: गिफ्ट्स या स्पेशल मोमेंट्स की डिटेल्स शेयर करने से उनका महत्व कम हो जाता है।

दसवीं, पास्ट रिलेशनशिप्स: पुरानी बातें लाने से खटास आ सकती है। अब क्या करें? सबसे पहले, अपने पति से खुलकर बात करें। लेकिन ये सारी बातें गुस्से में नहीं, बल्कि शांति से करें। उन्हें बताएं कि आप उनकी बहन से प्यार करती हैं, लेकिन कुछ बातें सिर्फ आप दोनों की हैं। उन्हें कहें कि मुझे लगता है कि हमारी प्राइवेसी जरूरी है, ताकि हमारा रिश्ता मजबूत रहे। अगर वो समझें, तो अच्छा है। लेकिन अगर न मानें, तो बाउंड्री सेट करें। उन्हें बताएं कि पर्सनल बातें शेयर न करें, वो सिर्फ हमारी बातें हैं।

बहन से दूरी नहीं, बैलेंस बनाना जरूरी-उन्हें ये समझाएं कि बहन से रिश्ता नहीं तोड़ना है। बस बैलेंस बनाना जरूरी है। पति को समझाएं कि फैमिली इंपॉर्टेंट है, लेकिन मैरिज अलग है। अगर वो न बदलें, तो फैमिली काउंसलिंग लें। ये मदद करेगी। याद रखिए, रिश्ता दो लोगों का है, और प्राइवेसी उसकी सेफ्टी है। खुद को सशक्त बनाएं-आखिर में, खुद पर फोकस करें।

अपनी फीलिंग्स को वैलिडेट करें और अगर जरूरी हो तो दोस्तों से बात करें, लेकिन पर्सनल डिटेल्स न शेयर करें। आप एक हेल्दी रिश्ते की हकदार हैं, जहां ट्रस्ट और प्राइवेसी हो। अगर कोशिश से बात बने, तो अच्छा। वर्ना, अपनी खुशी को प्राथमिकता दें। आप अकेली नहीं हैं, कई महिलाएं इससे गुजरती हैं और बाहर निकलती हैं। हिम्मत रखिए, सब ठीक होगा।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।